A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 20 अप्रैल, 2026

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 197, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध : यहां है धारणा की रेटिंग

वीर सांघवी

अमेरिका के राष्ट्रपति दुनिया भर में इस बात के लिए याद किए जाते हैं कि उन्होंने दुनिया को कैसे बदलाः अच्छा या बुरा। अगर फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट नहीं होते, तो हिटलर शायद दूसरा विश्व युद्ध जीत जाता। सोवियत यूनियन का टूटना कम से कम कुछ हद तक रोनाल्ड रीगन की नीतियों का नतीजा था। दूसरी तरफ, हैरी ट्रूमैन को उस आदमी के रूप में याद किया जाता है जिसने दो शहरों को परमाणु बम से तबाह कर दिया। जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने बेवजह दूसरे खाड़ी युद्ध के साथ मध्य पूर्व में अफरा-तफरी मचा दी।

लेकिन मुझे शक है कि किसी भी अमेरिका के राष्ट्रपति को डोनाल्ड ट्रंप से ज्यादा खराब तरीके से याद किया जाएगा। ईरान युद्ध ने अमेरिका के बहुत सारे दोस्त खो दिए हैं और इसका दुनिया पर इतना नकारात्मक असर पड़ा है कि ट्रंप का कार्यकाल खत्म होने पर दुनिया शायद राहत की सांस लेगी। यहां कुछ उदाहरण दिए गए हैं कि ट्रंप के कदमों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे तबाही मचाई।

कुछ मायनों में इस युद्ध में ईरान सबसे बड़ा हारने वाला है। अमेरिकी मिसाइलों ने उसकी सैन्य ताकत को कमज़ोर कर दिया है और आम लोगों को बहुत दुख दिया है, जिनमें से हजारों मारे गए हैं। लेकिन एक अजीब तरीके से वह जीतने वाला भी है। ट्रंप के हमले से पहले, ईरान की सरकार दुनिया में अलग-थलग थी। उसे बहुत पिछड़ा और दबाव डालने वाला माना जाता था; जो महिलाओं की इज्ज़त कम करता था और समलैंगिक लोगों को निशाना बनाता था; उसके नेता कट्टर और अंधविश्वासी थे; और वह विरोध करने वालों को मारने और सज़ा देने से भी नहीं हिचकता था।

ज्यादातर रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप को इज़रायल के बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया था कि कुछ तेज़ हवाई हमलों से सरकार गिर जाएगी और आम ईरानी लोग विद्रोह कर देंगे। इराक पर हमले के अनुभव के बावजूद, जहां अमेरिका को लगा था कि उसकी सेना का स्वागत खुश लोगों द्वारा किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ–ट्रंप ने लगता है नेतन्याहू की बात मान ली।

असल में, ईरान ने ट्रंप को मात दे दी, अमेरिकी ताकत की सीमाएं दिखा दीं और उसे इस खराब युद्ध से निकलने के लिए परेशान कर दिया, जिसने दुनिया की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया, लेकिन अमेरिका को कुछ नहीं मिला। इस दौरान, ईरान की सरकार की कठोर और पुराने जमाने वाली छवि भूल गई और अब उसे उस देश के रूप में देखा जा रहा है, जिसने अमेरिका के खिलाफ खड़े होकर जवाब दिया. यहां तक कि ईरान के अंदर भी, विरोध करने वाले लोगों के लिए यह समझाना मुश्किल हो रहा है कि अमेरिका, जो उनके शहरों को तबाह कर रहा है, उनकी मदद करना चाहता है।

नेतन्याहू के समय में इज़रायल की दुनिया में छवि बहुत खराब हो गई है। इस युद्ध से पहले भी, दुनिया भर में इज़रायल के खिलाफ प्रदर्शन सबसे ज्यादा थे। हालांकि, गाज़ा पर इज़रायल के हमले को सही ठहराना मुश्किल है, फिर भी यह कहा जा सकता था कि इज़रायल हमास के आतंकी हमले का जवाब दे रहा है, कि आम लोग इसलिए मारे गए क्योंकि हमास ने अस्पताल जैसे जगहों को अपने ठिकाने और सैन्य पोस्ट के रूप में इस्तेमाल किया, और हमास चाहे तो बंधकों को छोड़कर कभी भी इज़रायल के हमले रुकवा सकता था।

अब यह बात कहना मुश्किल हो गया है, क्योंकि इज़रायल ने ट्रंप के ईरान हमले का फायदा उठाकर लेबनान में भी गाज़ा जैसी हवाई कार्रवाई शुरू कर दी, जिसमें हज़ारों आम लोग मारे गए और और भी ज्यादा लोग बेघर हो गए। अब लोगों को यह समझाना भी मुश्किल है कि नेतन्याहू इज़रायल में इतने अलोकप्रिय हैं कि उनका आक्रामक रवैया सत्ता में बने रहने की कोशिश है। इस युद्ध के बाद, जो लोग पहले तटस्थ थे, वे भी अब इज़रायल के खिलाफ हो गए हैं। जब भी नेतन्याहू जाएंगे (और वे जाएंगे), उनके बाद आने वाले को दुनिया का समर्थन पाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा।

नाटो ठंडे युद्ध का हिस्सा है, जब पश्चिमी देश मानते थे कि सोवियत यूनियन को हराने के लिए उन्हें एकजुट रहना होगा। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने साफ कर दिया था कि उन्हें नाटो से कोई खास मतलब नहीं है, हालांकि, वे अकेले अमेरिका को इससे बाहर नहीं निकाल सकते थे और उन्हें कांग्रेस की मंजूरी चाहिए थी। फिर भी, अमेरिका और यूरोप के बीच थोड़ा बहुत रिश्ता बचा हुआ था, लेकिन अब ट्रंप के फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के कीर स्टारमर पर निजी हमलों के बाद वह भी खत्म हो गया। यूरोप के ज्यादातर लोग मानते हैं कि ट्रंप पागल हैं। और कौन कह सकता है कि वे गलत हैं?

यूरोप को अमेरिका की मदद न करने के लिए दोष देना कोई नई बात नहीं है; दूसरे खाड़ी युद्ध के समय 'चीज़ खाने वाले सरेंडर बंदर' जैसे शब्द याद हैं? लेकिन पोप से लड़ाई करना? और वह भी पहले अमेरिकी पोप से? ट्रंप ने यह भी कर दिखाया। इससे भी खराब यह कि उससे पहले उन्होंने खुद की एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वे मसीह जैसे दिख रहे थे! जब बहुत ज्यादा विवाद हुआ तो उन्होंने वह पोस्ट हटा दी। अमेरिका के इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति ने कभी पोप पर हमला नहीं किया। इसका असर चुनावों पर भी पड़ सकता है।

ट्रंप को पाकिस्तान से लगाव क्यों है, इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन सच्चाई जो भी हो, पाकिस्तान के लिए इससे अच्छा समय कभी नहीं रहा। वह एक ऐसे देश से, जिस पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगता था, अब एक ऐसे देश में बदल गया है, जिसे दुनिया में शांति कराने वाला माना जा रहा है और जो वॉशिंगटन के बहुत करीब है। खबरों के मुताबिक ट्रंप ने पाकिस्तान से शांति समझौता कराने को कहा था, जिससे वे इरान से इज्ज़त के साथ बाहर निकल सकें।

कई सालों तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई. पिछले कुछ सालों में अमेरिका के साथ खास रिश्ते के दावे हमारी विदेश नीति के गुटनिरपेक्ष आधार से आगे निकल गए। अब स्थिति यह है कि अमेरिका ने हमारे प्रयासों को नज़रअंदाज़ कर दिया है और हमारे पड़ोसी के साथ नजदीकी बढ़ा ली है। और हमारा सबसे बड़ा साथी इज़रायल है। तो क्या भारत को इस संघर्ष से कोई फायदा हुआ है? मुझे नहीं लगता कि इस सवाल का जवाब देने की ज़रूरत है।

शरद की सुबह

रह जायेंगे
मेरे शब्द

मैं जब भी चला जाऊंगा
रह जायेंगी
धरती पर मेरे बोयी
बीजों की फसल

मैं जब भी चला जाऊंगा
रह जायेंगे
धरती पर उकेरे
मेरे पदचिह्न

मैं जब भी चला जाऊंगा
रह जायेंगी
वह हंसी जो मैंने
तुम्हारे साथ
हंसी थी

मैं जब भी चला जाऊंगा
रह जायेंगे
मेरे प्रेम के
दो बोल

- दुर्गाप्रसाद झाला

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 18 लोगों की मौत

विरुधुनगर में हादसा, 6 घायल, कई लोग मलबे में दबे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को धमाका हुआ। फायर एंड रेस्क्यू विभाग के मुताबिक, हादसे में अब तक 18 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। 6 लोगों को गंभीर घायल होने के कारण अस्पताल ले जाया गया, जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री के आसपास की बिल्डिंग्स में भी दरारें आने की खबर है। दमकल, पुलिस और राहत टीमें मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं। फिलहाल विस्फोट के कारण साफ नहीं हो सके हैं। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने एक्स पर लिखा- इस हादसे में कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

6 दिन पहले भी धमाके में दो लोगों की मौत हुई थी

इससे पहले 6 दिन पहले यानी 13 अप्रैल को विरुधुनगर सत्तूर के पास सथिरापट्टी इलाके में एक पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ था। इसमें दो मजदूर की मौत हो गई थी। पांडी नाम के मजदूर की मौके पर झुलसने से मौत हो गई थी। वहीं अस्पताल में इलाज के दौरान करुप्पासामी (33) की मौत हो गई।

सीएम स्टालिन ने कलेक्टर से की बात

एनएनआई ने विरुधुनगर के पास कट्टानारपट्टी में एक पटाखा फैक्ट्री धमाके में 18 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। इस हादसे में 6 अन्य घायल हुए हैं। अग्निशमन और बचाव विभाग ने यह जानकारी साझा की है। राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने लिखा है कि जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैंने मंत्रियों के के एस एस आर रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु से अनुरोध किया है कि वे बचाव कार्यों में तेजी लाने और उन पर नजर रखने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचें। स्टालिन ने एक्स पर लिखा है कि इस घटना की जानकारी मिलते ही मैंने जिला कलेक्टर से संपर्क किया और उन्हें सभी जरूरी सहायता का समन्वय करने के निर्देश दिए। पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में मरने वालों का ब्योरा अभी सामने नहीं आया है।

सामूहिक विवाह समाज में समानता, सादगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का अनुकरणीय माध्यम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने हामूखेड़ी में सामूहिक विवाह सम्मेलन में 23 जोड़ों को दिया आशीर्वाद

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह समाज में समानता, सादगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का एक अनुकरणीय माध्यम है। आज अक्षय तृतीया का पावन अवसर है। इस मौके पर किए गए किसी भी शुभ कार्य का फल अक्षय होता है। आज का यह दिन सभी नव-विवाहित जोड़ों के लिए अत्यंत शुभ और मंगलकारी सिद्ध हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विवाह संस्कार हमारी संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक है। सामूहिक विवाह से न केवल धन की बचत होती है, बल्कि सभी को एक साथ अपनी खुशियों को साझा करने का अवसर भी मिलता है। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और सद्भाव का संदेश देते हैं।उन्होंने आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारी का उल्लेख करते हुए कहा कि उज्जैन शहर में कई विकास कार्य चल रहे हैं, जिनसे शहर की नई छवि उभरेगी और यह समृद्धि का प्रतीक बनेगा। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि यहां के हर घर में सुख, शांति और वैभव बना रहे।

रविवार को अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हामूखेड़ी देवास रोड में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान 23 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच पर पहुंचकर सभी नव-दंपतियों को व्यक्तिगत रूप से आशीर्वाद दिया, उनके सिर पर पुष्प वर्षा की तथा उन्हें सुखद, समृद्ध और मंगलमय वैवाहिक जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नव-विवाहित कन्याओं को दोपहिया वाहन (टू-व्हीलर) भी भेंट किए गए।

राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, महंत श्री रामेश्वर दास, महंत श्री रामदास जी महाराज, महंत श्री बालकनाथ जी महाराज, श्री बालकृष्ण दास जी महाराज, श्री रवि सोलंकी, श्री नरेश शर्मा, ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर के गादीपति श्री महावीर नाथ जी महाराज, श्री नारायण यादव, श्री कल्याण यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अतिथियों ने नव-दंपतियों को माला और स्मृति चिन्ह भेंट किए। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजनकर्ता श्री प्रकाश यादव ने सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया तथा स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री शैलेंद्र व्यास ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन श्री परेश कुलकर्णी द्वारा किया गया। प्रमुख आचार्य पंडित सोहन भट्ट के सानिध्य में सामूहिक विवाह संपन्न कराये गये।

महिला आरक्षण बिल ना पास होने पर यूपी सीएम का तीखा हमला

भरी सभा में द्रौपदी के चीरहरण जैसा था संसद का दृश्यः योगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में रविवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सीएम योगी ने कहा कि जब पीएम मोदी ने वर्ष 2014 में देश की सत्ता अपने हाथों में ली थी, तब उन्होंने एक बात स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि देश में चार ही जातियां हैं- नारी, गरीब, युवा और किसान। उन्होंने कहा कि भारत को कमजोर करने की नीयत से जातिवाद के नाम पर खुद के परिवार का भरण-पोषण करके उन्होंने देश को लूटा है। उनके लिए यह (नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक) चुनौती थी। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमने कोई भी प्रोग्रेसिव कदम उठाया है, कांग्रेस और उसके जितने भी पार्टनर हैं, हमेशा विरोध करते रहे। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के मन में विपक्ष के इस नारी विरोधी आचरण के बारे में भारी आक्रोश है।

इंडिया गठबंधन ने किया षडयंत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी की ओर से समाज और देश के हित में जो कदम उठाए गए हैं, उनके सामने कैसे बैरियर के रूप में और उन कदमों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए इंडिया गठबंधन किस हद तक जाकर षड्यंत्र करता है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था, लेकिन जब महिला संगठनों और सामाजिक संगठनों ने इस बात की मांग की कि यह अधिनियम 2034 के बजाए 2029 में लागू हो। उनकी मांग के अनुसार पीएम मोदी ने सभी पक्षों से विचार–विमर्श करने के बाद केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम में आवश्यक संशोधन लेकर आई।

बंकरों से निकाले गये 100 से ज्यादा सिस्टम, युद्धविराम में तेहरान की तैयारी

ईरान के 40 फीसदी ड्रोन, 60 फीसदी मिसाइल लॉन्चर सुरक्षित

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका-इजरायल के साथ दो हफ्तों के युद्धविराम के दौरान युद्ध के अगले फेज की जमकर तैयारी की है। इन दो हफ्तों के दौरान ईरानी सेना एक बार फिर से अपनी शक्ति को संभाल रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में अमेरिकी सेना और खुफिया अधिकारियों के अनुमानों के मुताबिक ईरान के पास अभी भी अपने हमलावर ड्रोनों का लगभग 40 प्रतिशत और मिसाइल लॉन्चरों का 60 प्रतिशत से ज्यादा जखीरा बचा हुआ है। इसे भविष्य में होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही के लिए खतरा पैदा करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। या फिर अगर युद्धविराम के बाद फिर से तनाव भड़कता है तो इन हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा।

3000 सैनिक, 5 युद्धपोत और 10 विमान होंगे तैनात

भारत-रूस के बीच लागू हुआ हस्ताक्षरित लॉजिस्टिक्स समझौता

सैन्य सहयोग मजबूत होगा,सुविधाओं तक पहुंच और ज्यादा बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस ने फरवरी 2025 में एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता जनवरी 2026 से लागू हो गया है। जिसके तहत दोनों देश अब एक-दूसरे के इलाके में 3,000 सैनिक और सीमित संख्या में नौसैनिक जहाज और विमान तैनात कर सकते हैं। रूस की आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। रूसी संसद ने दिसंबर 2025 में इस समझौते को मंजूरी दी थी। इस समझौते का पूरा नाम इंडो-रूसी रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स सपोर्ट है। इसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्र में

अधिकतम 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान और 3000 सैनिक एक साथ तैनात कर सकते हैं। यह सुविधा शुरू में 5 वर्षों के लिए होगी।

समझौते में संयुक्त सैन्य अभ्यास और मानवीय मिशन शामिल

भारत–रूस पारस्परिक लॉजिस्टिक्स विनिमय समझौता समझौते में संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और मानवीय मिशन भी शामिल हैं। इस समझौते का पश्चिम एशिया संघर्ष और यूक्रेन युद्ध के बीच गहरा महत्व है, न केवल सैन्य कर्मियों और उपकरणों की तैनाती को नियंत्रित करता है, बल्कि लॉजिस्टिक्स (साजो–सामान) का प्रबंधन भी करता है। लॉजिस्टिक्स के आदान–प्रदान में प्राप्तकर्ता देश द्वारा प्रदान की जाने वाली कई विशिष्ट सेवाएं शामिल हैं। युद्धपोतों के लिए, इसमें बंदरगाह और मरम्मत सेवाएं, साथ ही पानी, भोजन, तकनीकी संसाधन और अन्य आपूर्तियों की डिलीवरी शामिल है। सैन्य विमानों के मामले में हवाई यातायात नियंत्रण, वैमानिकी डेटा, उड़ान अनुरोधों की प्रोसेसिंग, सैन्य नेविगेशन प्रणालियों का उपयोग, और विमान की पार्किंग व सुरक्षा शामिल है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 20 अप्रैल 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में भारत के नए राजदूत होंगे दिनेश त्रिवेदी !

● पश्चिम बंगाल चुनाव के बीच मोदी सरकार का बड़ा दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बीच मोदी सरकार ने एक तगड़ा दांव खेला है। केंद्र पूर्व केंद्रीय मंत्री, बीजेपी नेता और बैरकपुर से सांसद दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का हाई कमिश्नर बनाकर भेज सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय बाद पड़ोसी देश में पहले राजनीतिक नियुक्त व्यक्ति के तौर पर त्रिवेदी करियर डिप्लोमैट प्रणय वर्मा की जगह लेंगे। प्रणय वर्मा अब ब्रसेल्स जाकर भारत के राजदूत का पद संभालेंगे। रिपोर्ट

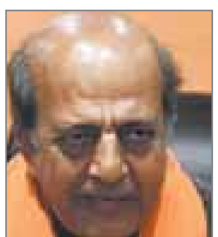

के मुताबिक त्रिवेदी के लिए ढाका में तारिक रहमान सरकार से सहमति मांगी जाएगी। 75 वर्षीय अनुभवी राजनेता को बांग्लादेश में भारत के दूत के तौर पर भेजने का फैसला विदेश मंत्र6लय के राजनयिकों के लिए जवाबदेही का एक संदेश भी है। बता दें कि त्रिवेदी यूपीए शासनकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्य के रूप में रेल मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री थे। उन्होंने 12 फरवरी, 2021 को टीएमसी से इस्तीफा दे दिया और 6 मार्च 2021 को बीजेपी में शामिल हो गए।

संबंध सुधारने की कोशिश में भारत-बांग्लादेश

त्रिवेदी की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब भारत और बांग्लादेश मोहम्मद यूनुस प्रकरण के बाद अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि दोनों देशों के संबंध तब खराब हुए, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक तख्तापलट के जरिए सत्ता से हटा दिया गया था और सेना तथा पुलिस दोनों ने ही प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इनकार कर दिया था। अमेरिका समर्थित यूनुस के कार्यकाल के दौरान भारत और बांग्लादेश के संबंधों में गिरावट आई थी।

दूर देश इटली में वैशाखी के दौरान छाया मातम

● गुरुद्वारे के बाहर दो भारतीय सिखों की गोली मारकर हत्या, अंधाधुंध फायरिंग

रोम (एजेंसी)। इटली में शुक्रवार देर रात दो भारतीय पुरुषों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना वैशाखी समारोह के दौरान एक गोदाम से बाहर निकलने के कुछ ही मिनट बाद हुई जिसका इस्तेमाल उस समय पूजा स्थल के तौर पर किया जा रहा था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये वाकया उत्तरी इटली का है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यह घटना बर्गमो प्रांत के कोवो शहर में आधी रात से कुछ ही पहले हुई। ला सिसिलिया अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित

गुरुद्वारा माता साहिब कौर जी में आयोजित एक धार्मिक सभा में शामिल हो रहे थे तभी परिसर के बाहर चौक में उन्हें निशाना बनाया गया। मृतकों की पहचान कोवो के रहने वाले 48 वर्षीय रगींदर सिंह और पास के अग्नाडेलो में रहने वाले 48 वर्षीय गुरमीत सिंह के रूप में हुई है। गुरमीत सिंह के परिवार के लिए यह घटना असहनीय है क्योंकि उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार हमलावर उन दो सिखों के पास गया, गोलीबारी की और फिर एक कार में बैठकर फरार हो गया।

चारधाम यात्रा शुरू, गंगोत्री-यमुनोत्री के खुल गए कपाट

बाबा केदार के दर्शन के लिए करना होगा बस थोड़ा और इंतजार

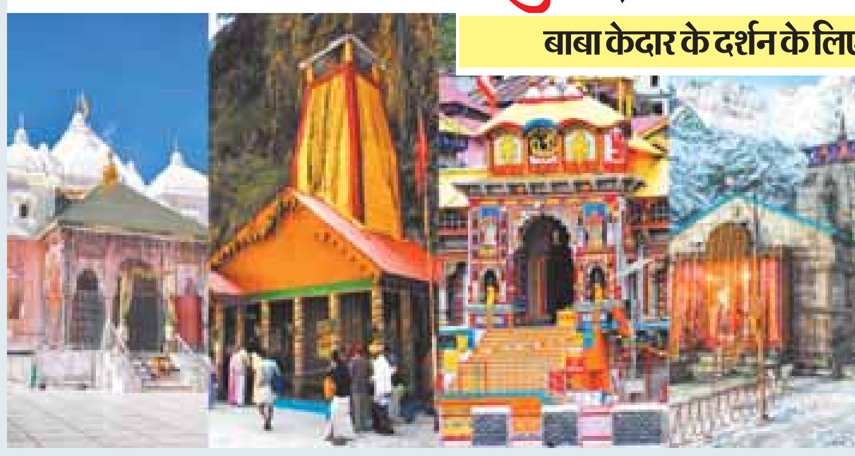

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रविवार को उत्तराखंड की पहाड़ियों में शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है। उत्तरकाशी जिले में स्थित मां गंगा और मां यमुना के धामों गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट सुबह शुभ मुहूर्त में श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलते ही हजारों भक्तों ने मां के दर्शन कर अक्षय पुण्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। वैदिक पंचांग को देखते हुए 22 अप्रैल, 2026 को केदारनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। वहीं, 23 अप्रैल, 2026 को बद्रीनाथ धाम के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे।

गंगोत्री और यमुनोत्री का धार्मिक महत्व

चारधाम यात्रा की शुरुआत पारंपरिक रूप से यमुनोत्री से होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यमुना जी सूर्य की पुत्री और यमराज की बहन हैं। माना जाता है कि जो व्यक्ति यमुनोत्री के शीतल जल में स्नान करता है, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता और यम की प्रताड़ना से मुक्ति मिलती है। गंगोत्री वह स्थान है जहां भगीरथ जी की तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। गंगोत्री की पावन धारा में स्नान करने से व्यक्ति के जन्म-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं और उसे मानसिक शांति मिलती है।

शिप्रा तट पर खुद का पिंडदान कर त्यागा संसार, अब कहलाएंगी स्वामी हर्षानंद गिरि

मॉडल हर्षा रिछारिया ने लिया आश्रम संन्यास

उज्जैन (नप्र)। प्रयागराज महाकुंभ से चर्चा में आई सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हर्षा रिछारिया ने आश्रम की संन्यास दीक्षा ले ली है। यह दीक्षा शिप्रा नदी के किनारे मौनी तीर्थ आश्रम में ली गई। अब आज से हर्षा रिछारिया स्वामी हर्षानंद गिरि नाम से पहचानी जाएगी।

प्रयागराज महाकुंभ में मोनालिसा, आईआईटी बाबा के साथ ही हर्षा रिछारिया चर्चा में आई थी। अब जहां एक और आईआईटी बाबा और मोनालिसा ने विवाह कर लिया तो वहीं दूसरी ओर हर्षा रिछारिया ने अक्षय तृतिया पर संन्यास दीक्षा ले ली है। यहां उज्जैन के मौनी तीर्थ आश्रम में आज एक दीक्षा आयोजन हुआ। इस आयोजन में हर्षा रिछारिया ने दीक्षा लेने के

दौरान परम्परा का निर्वहन किया। यहां प्राश्चित कर्म, पिण्डदान, शिखा व दण्ड विसर्जन किया गया। दीक्षा की यह परंपरा महामंडलेश्वर सुमनानंद गिरि महाराज के सानिध्य में हुई। दीक्षा के दौरान बटुकों द्वारा मंत्र उच्चारण किए गए। वहीं विभिन्न धार्मिक रश्में भी निभाई गई।

ईश्वर की मर्जी-आशीर्वाद से इस रास्ते पर बढ़ीं- मीडिया से चर्चा में स्वामी हर्षानंद गिरि ने कहा कि, ईश्वर की मर्जी और उनके आशीर्वाद के कारण मैं इस रास्ते पर आगे बढ़ी हूं। हिंदू धर्म को सबसे बड़ा खतरा ऐसे लोगों से है जो हिंदू धर्म के बच्चों को हिंदू धर्म के खिलाफ ही खड़ा कर रहे हैं और उनके दिमाग में जहर भर रहे हैं।ईश्वर की मर्जी और आशीर्वाद से इस रास्ते पर आगे बढ़ीं हूं, हिन्दुओं को सबसे बड़ा खतरा ऐसे लोगों से है जो उन्हें धर्म के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं

लव जिहाद पर बोलीं, मुसीबत आने वाली है- स्वामी हर्षानंद गिरि ने लव जिहाद पर बोलते हुए कहा कि हमें बच्चों को ब्रेनवाश होने से रोकना है। लव जिहाद वह दीमक से जो अंदर के अंदर फैल रहा है, जिसका कोई अंदाज़ा नही लगा सकता है। लव जिहाद के कारण आने वाले समय मे बड़ी मुसीबत आने वाली है। धर्म परिवर्तन को लेकर कहा कि कुछ लोग राशन व पैसे में अपना ईमान बेचकर धर्म परिवर्तन कर लेते हैं।

रील बनाते 3 बाइकर्स की 22 सेकंड में मौत

लाइटर गन लहराकर कट मारकर निकले; ट्रक से भिड़े, सड़क पर बिछी तीनों की लाशें

मऊगंज (नप्र)। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में पन्नी-पथरिया नेशनल हाईवे पर बाइक से रील बना रहे 3 दोस्त ट्रक से भिड़ गए। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे से वीडियो बनाते आ रहे 2 दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। एक्सीडेंट का लाइव वीडियो सामने आया है। हादसा लौर थाना क्षेत्र का था।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान उपलक्ष उर्फ शुभम कोल (17), अमरीश कोल (22) और हेमराज कोल (17) के रूप में हुई है, जो बेला थाना लौर के निवासी थे। वहीं घायलों का नाम प्रशांत द्विवेदी (19) और प्रदीप द्विवेदी (17) है, जो चितईपुरवा पिपरा के रहने वाले हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ फिर ऐक्टिव हुआ समूचा विपक्ष

दोबारा नोटिस देने की तैयारी,मार्च में एक बार खारिज हो चुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष एक बार फिर कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी दलों के नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। करीब पांच सीनियर लीडर एक नए नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं, ताकि हटाने की कार्यवाही शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज

कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें टाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते। मुख्य चुनाव आयुक्त को उसी तरीके से हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता है। अन्य चुनाव आयुक्तों को हटाने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश जरूरी होती है। जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट 1968 के अनुसार, अगर दोनों सदनों में एक ही दिन नोटिस दिया जाता है, तो जांच समिति तभी बनेगी जब दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाएगा।

विपक्ष ने 200 हस्ताक्षर हासिल करने का लक्ष्य रखा

नए नोटिस में विपक्ष कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी बड़ी वजह हाल ही में लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण संशोधन बिल है। लोकसभा में शुक्रवार को संविधान में 131वां संशोधन बिल वोटिंग के बाद गिर गया। बिल के खिलाफ 230 सांसदों ने वोट डाला था। लोकसभा में सीईसी को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

पहलगाम हमले की बरसी से पहले कश्मीर में बढ़ी सुरक्षा

● 22 अप्रैल को लश्कर के आतंकियों ने 26 लोगों की हत्या की थी

पहलगाम (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी

सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे पहलगाम हमले की बरसी पर टूरिस्ट स्पॉट्स के आस-पास, किसी भी संभावित आतंकी हमले को लेकर सतर्क रहें। पहलगाम आने वाले टूरिस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। हर सर्विस प्रोवाइडर की जांच-पड़ताल की गई है। उन्हें रजिस्टर्ड किया है। उन्हें यूनिक क्यूआर कोड दिया गया है।

टीएमसी सरकार ने बंगाल की बहनों को दिया है धोखा

● महिला आरक्षण पर पीएम का वार,ममता ने किया पलटवार,अखिलेश ने घेरा

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक के गिरने को लेकर रविवार को टीएमसी कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराते हुए जोरदार हमला बोला। बंगाल के बांकुड़ा जिले के विष्णुपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने विशेषकर टीएमसी को निशाने पर लेते हुए कहा कि उसने कांग्रेस के साथ साजिश रचकर बंगाल की बहनों के साथ एक और धोखा किया है। मोदी ने कहा कि भाजपा की पहचान ही महिला सशक्तीकरण से है, महिला सुरक्षा से है इसीलिए देश के हर राज्य में बहन-बेटियां भाजपा को सबसे अधिक आशीर्वाद देती हैं। हम चाहते हैं कि विकसित भारत बनाने में बेटियों की भूमिका का विस्तार हो, ज्यादा बेटियां आएं।

टीएमसी को विश्वासघात की महा सजा मिलेगी

मोदी ने बंगाल की महिलाओं से परिवर्तन का आह्वान करते हुए टीएमसी ने उनके साथ जो विश्वासघात किया है, इसके लिए महा जंगलराज वाली टीएमसी सरकार को महा सजा मिलनी चाहिए। मोदी ने आगे कहा कि टीएमसी आदिवासी बहन-बेटियों से भी बहुत नफरत करती है। वहीं अखिलेश ने भी पीएम को घेरा।

जनता को डराने वाली टीएमसी बंगाल टाइगर की दहाड़ से डर गई है

मोदी ने कहा कि मैं बंगाल में जहां भी जाता हूं, हर जनसभा, पहले से ज्यादा बड़ी होती जा रही है। यह माहौल, प्यार, उत्साह, उमंग और यह निर्मम सरकार के प्रति गुस्से का भी प्रतीक है। जो टीएमसी अब तक बंगाल की जनता को डराती थी, वह बंगाल टाइगर की दहाड़ से खुद डर गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल टाइगर- बंगाल की जनता है। बंगाल की जनता दहाड़ रही है कि अब नहीं सहेंगे टीएमसी का अत्याचार। टीएमसी की निर्मम सरकार को हटाकर रहेंगे। प्रधानमंत्री ने इस दौरान पहली बार यह अभी कहा कि मैं टीएमसी के सभी गुंडों, सिंडिकेट माफिया और भ्रष्टाचारियों को एक आखिरी मौका देता हूं। वहीं ममता बनर्जी ने पीएम के बयान पर पलटवार किया है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को नारी शक्ति वंदन विधेयक गिरने के विरोध में एमवीएम ग्राउंड, भोपाल में 20 अप्रैल को आयोजित होने वाले आक्रोश मार्च की तैयारियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, प्रदेश शासन की राज्य मंत्री कृष्णा गौर, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, पूर्व मंत्री, प्रदेश प्रवक्ता व विधायक अर्चना चिटनीस, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे एवं प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राहुल निकला अब्दुल अजीज

● पहले पिलाई रेड बुल, फिर जबरदस्ती बनाया हिंदू छात्रा का वीडियो, थाने में एफआईआर

इंदौर (नप्र)। शहर में एक बार फिर पहचान छुपाकर प्यार और फिर प्रताड़ना का ऐसा मामला सामने आया है जिसने सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गर्ल्स कॉलेज की एक बीएससी छात्रा ने राहुल बनकर मिले अब्दुल अजीज पठान के खिलाफ महिला थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। छात्रा का आरोप है कि आरोपी ने उसे न केवल नशे का आदी बनाया, बल्कि कलमा पढ़ने और इस्लाम कबूल करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी किया।

राहुल बनकर मिला फिर रेड बुल में दिया नशा- पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि करीब एक साल पहले उसकी मुलाकात खजराना निवासी राहुल से हुई थी। राहुल ने खुद को हिंदू बताकर दोस्ती की। एक

दिन वह उसे घुमाने ले गया और कोल्ड ड्रिंक में कुछ सफेद पाउडर मिलाकर पिला दिया। इसके बाद खजराना स्थित घर ले जाकर उसे रेड बुल पिलाई, जिसे पीते ही छात्रा बेसुध हो गई। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने दुष्कर्म किया और छात्रा का नग्न वीडियो बना लिया।

ऐसे सामने आया अब्दुल का असली चेहरा- होश आने पर आरोपी ने अपनी असली पहचान अब्दुल अजीज पठान के रूप में उजागर की। उसने धमकी दी कि अगर छात्रा ने इस्लाम कबूल नहीं किया, तो वह उसका वीडियो वायरल कर देगा। डरी-सहमी छात्रा का महीनों तक शोषण होता रहा। आरोपी उसे जबरन हिजाब पहनाता और दोस्तों के सामने उसे मुसलमान बताकर कलमा पढ़ने का दबाव बनाता था।

गर्भवती हुई युवती तो बनाया शादी का दबाव- सितंबर 2025 में छात्रा गर्भवती हो गई। जब उसने शादी का दबाव बनाया, तो अब्दुल ने शर्त रखी कि पाक होने के बाद ही निकाह करेगा। आरोप है कि उसने छात्रा को जबरन गर्भपात की दवाइयां खिलाईं और जब उसकी तबीयत बिगड़ी, तो उसे अकेला छोड़कर भाग गया। छात्रा ने जब अब्दुल की दूसरी सगाई तुड़वाई, तो उसे जान से मारने की धमकियां मिलने लगीं। वह मुझे डराता था कि अगर मैंने कलमा नहीं पढ़ा तो वह मुझे बदनाम कर देगा। उसने मुझे रखैल बनाकर रखा और मेरी पहचान मिटाने की कोशिश की। मुझे सिर्फ इंसाफ चाहिए।

रब ने बना दी जोड़ी, 17 साल के इंतजार के बाद मुकेश के घर गूंजी शहनाई

1300 किलोमीटर दूर मिला जीवनसाथी

बड़वानी (नप्र)। मध्य प्रदेश के जिले के अंजड़ नगर में इन दिनों एक अनोखी शादी चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने यह साबित कर दिया कि सच्चा रिश्ता दूरी या कद नहीं, बल्कि दिलों की समानता से बनता है। नगर परिषद अंजड़ में पिछले 17 वर्षों से कार्यरत मुकेश कुशवाह ने उत्तर प्रदेश के बलरामपुर की नेहा कुशवाह के साथ विवाह कर एक नई मिसाल पेश की है।

तीन से चार फीट है दोनों की हाईट- करीब 35 वर्षीय मुकेश का कद सामान्य से कम, लगभग तीन से चार फीट है। इसी वजह से उन्हें लंबे समय तक जीवनसाथी की तलाश में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनके पिता रामू कुशवाह का भी कद छोटा था और उनका निधन हो चुका है। परिवार में बड़े भाई राधू कुशवाह उनका सहारा हैं।

सोशल मीडिया पर हुई मुलाकात- करीब दो वर्ष पहले मुकेश की मुलाकात सोशल मीडिया के माध्यम से नेहा कुशवाह से हुई, जो बलरामपुर (उत्तर प्रदेश) की रहने वाली हैं। नेहा का कद भी

सामान्य से कम है, जिससे दोनों के बीच एक खास समानता बनी। बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे गहरी दोस्ती और फिर प्रेम में बदल गया।

दोनों के परिवार भी हुए राजी- जब दोनों ने अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया, तो उन्होंने अपने-अपने परिवारों को इसके बारे में बताया। नेहा के परिजन अंजड़ पहुंचे और मुकेश व उनके परिवार के बारे में जानकारी ली। मुकेश के स्वभाव, नौकरी और पारिवारिक स्थिति से संतुष्ट होकर दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए राजी हो गए।

दूरी और कद केवल शरीर के पैमाने हैं। हमें एक-दूसरे के स्वभाव और सादगी से प्यार हुआ। भगवान राम की नगरी में हमारा रिश्ता जुड़ा है, इससे बड़ी खुशी और क्या होगी?

अयोध्या में हुआ विवाह- परिवारों की सहमति के बाद मुकेश और नेहा का विवाह अयोध्या में भगवान श्रीराम की नगरी में सादगीपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। शादी के बाद नवदंपति अंजड़ लौटे, जहां उन्होंने श्री खाटू श्याम बाबा मंदिर में दर्शन किए। स्थानीय लोगों और परिचितों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं।

परिक्रमा

महिला आरक्षण : माफी मांगते मोदी और साजिश करार देती प्रियंका

अरुण पटेल

लेखक सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं

महिला आरक्षण को लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच आने वाले कुछ समय में तकरार काफी बढ़ने वाली है, ऐसा संकेत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के तेवरों को देखने से नजर आ रहा है। दोनों ही इस मामले में आरोप प्रत्यारोप लगाने और सड़कों पर उतरने का कोई भी मौका हाथ से गंवाना नहीं चाहते, दोनों यही चाहते हैं कि हर हाल में श्रेय उन्हें ही मिले। मोदी का कहना है कि नारी अपमान नहीं भूलती है वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा का कहना है कि मैं प्रसन्न हूं क्योंकि विपक्ष ने विरोध किया और हमें महिला विरोधी बताकर वे मसीहा नहीं बन सकते। देश के नाम अपने सम्बोधन में मोदी ने दो-टूक शब्दों में कहा है कि विपक्ष ने संसद में जो कुछ किया वह केवल टेबल पर थाप नहीं थी, वह नारी के आत्मसम्मान पर और स्वाभिमान पर चोट थी, नारी सब भूल सकती है लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूल सकती है। इसलिए संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की उन्हें कसक हमेशा रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी का कहना था कि देश की नारी जब भी इन नेताओं को देखेगी वह यही कहेगी कि इन्हीं नेताओं ने संसद में महिला आरक्षण रोकने का काम किया और खुशियां मनाई। विपक्ष को उसके इस पाप की सजा आवश्य मिलेगी। नारी शक्ति वंदन विधेयक का जिन लोगों ने विरोध किया है उनसे मैं दो-टूक शब्दों में कहना चाहूंगा कि वे लोग नारी शक्ति को फारग्रांटेड ले रहे हैं, वे यह भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की घटनाओं पर नजर रख रही है और विपक्ष की मंशा को भांप रही है। विधेयक का विरोध कर विपक्ष ने जो पाप किया है उसकी सजा उन्हें अवश्य मिलेगी। वहीं दूसरी ओर प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकसभा में जो कुछ हुआ वह लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत है, सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण के जरिये सत्ता में बने रहने की साजिश कर रही थी। प्रियंका ने यह भी कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि लोकसभा में सीटें बढ़ाने के लिए लाया गया बिल गिर गया। एनडीए हमें महिला विरोधी कहकर मसीहा नहीं बन सकता। प्रियंका का यह भी मानना है कि आज की महिलाओं की समस्यायें बढ़ रही हैं, बेवकूफ नहीं हैं महिलाएं, वे सबकुछ देख

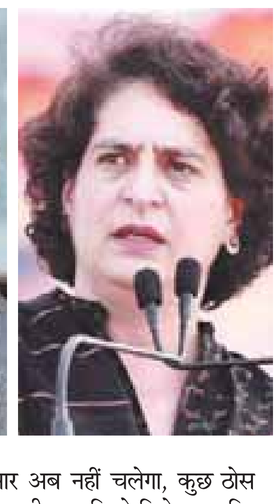

रही हैं, मीडियाबाजी और पीआर अब नहीं चलेगा, कुछ ठोस करना होगा, आप 2023 में जो सारी सहमति से विधेयक पारित हुआ था जिसे सभी दलों का समर्थन था उसे लाइए। एक आध संबोधन करना है तो करिये लेकिन उसे अभी लागू करें, महिलाओं को हक दीजिये।

भाजपा का कहना है कि गांव की चौपाल से लेकर देश और प्रदेश की गलियों में अब सड़क पर संग्राम होता नजर आयेगा और कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा उजागर किया जायेगा। विपक्ष भी अभियान चलायेगा और सत्ता में रहने के लिए किए जा रहे तथाकथित षड्यंत्र की हकीकत को सामने लायेगा। एक ओर जहां मोदी खासकर कांग्रेस पर गरज-बरस रहे थे तो वहीं प्रियंका गांधी भी मोर्चा संभाले हुए थीं। इस प्रकार अब एनडीए और इंडिया दोनों ही गठबंधन सड़कों पर एक-दूसरे को कटघरे में खड़ा करने की तैयारियों में लग गये हैं तथा दोनों ही एक-दूसरे को महिला आरक्षण विरोधी बता रहे हैं। अब देखने वाली बात यही होगी कि आखिर इस देश की महिलाशक्ति को कौन अपनी बात उनके गले उतारने में अधिक सफल रहता है और इस पर ही आने वाले कुछ माहों तक राजनीति गर्म रहने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। मोदी राष्ट्र को सम्बोधित कर रहे थे तो प्रियंका गांधी भी पत्रकार वार्ता के माध्यम से अपनी बात कह रही थीं। मोदी ने भरोसा दिलाया है कि वे तमाम बाधाओं को दूर करेंगे। उन्होंने संविधान संशोधन विधेयक गिरने के लिए कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार बताते हुए साफ किया है कि इन जैसे दलों ने ही महिला आरक्षण की भ्रूण हत्या कर नारी शक्ति को उड़ान को कुचला है।

और यह भी

प्रधानमंत्ररी नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इन दिनों अपने फुल-फार्म में हैं और किसी भी रुप में वह एक-दूसरे पर बढ़त बनाने का अवसर हाथ से नहीं जाने दे रहे। इन दिनों दोनों की नजरें दक्षिण भारत की राजनीति पर हैं। तामिलनाडु के कोयम्बटूर में चुनाव प्रचार अभियान के अंतिम चरण में नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण को बड़ा मुद्दा बनाया और कहा कि वे अपना दुख-दर्द अपनों के बीच साझा करना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और डीएमके ने संसद में संविधान संशधन का विरोध कर महिलाओं को अवसर से वंचित किया है। तामिलनाडु की कई महिलाएं विधायक व सांसद बनतीं, काले कपड़े पहन कर विरोध करने वाली डीएमके पर निशाना साधते हुए उन्होंने जनता से सवाल पूछने को कहा। उन्होंने दावा किया कि डीएमके एक्सपोज हो चुकी है, राज्य में बदलाव की लहर है और एनडीए के अंदर डीएमके के बाहर का संदेश साफ दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को निशाने पर लेते हुए कहा कि केन्द्र तामिलनाडु को कंट्रोल करना चाहता है लेकिन मुख्यमंत्री एम के स्टालिन झुकने वाले नहीं हैं और वे राज्य की आवाज हैं। भाजपा ऐसा मुख्यमंत्री चाहती है जो दिल्ली का आदेश माने जबकि स्टालिन केवल जनता के प्रति जवाबदेह हैं।

ड्रोन निगरानी में चाकू सहित गिरफ्तार

इंदौर। शहर में अपराध नियंत्रण के लिए इंदौर पुलिस द्वारा ड्रोन पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग अभियान लगातार तेज किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना खजराना पुलिस ने ड्रोन सर्चिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। बंगाली चौराहे पर चल रही ड्रोन निगरानी के दौरान पुलिस को देखकर घबराए युवक आमिर खान (20) की तलाशी लेने पर उसके पास से खटकेदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहर के हॉटस्पॉट, सूने मैदानों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से लगातार नजर रखी जा रही है।

जांच कर रहे हेड कॉन्स्टेबल को धमकी

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी की जांच कर रहे एक हेड कॉन्स्टेबल को जान से मारने की धमकी मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हेड कॉन्स्टेबल किशोर सांवलिया पति-पत्नी के बीच मकान एग्रीमेंट से जुड़े धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक अज्ञात नंबर से फोन कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को शिवराज सिंह बताते हुए जांच रोकने का दबाव बनाया। जब हेड कॉन्स्टेबल ने कार्रवाई जारी रखने की बात कही, तो आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पुलिस हरकत में आ गई और तकनीकी साक्ष्य जुटाकर कॉलर की पहचान की कोशिश की गई। एडिशनल डीसीपी प्रियंका डुडवे के अनुसार आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीम गठित की गई है। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रीन बेल्ट चौराहे पर सट्टा गिरोह पकड़ा

इंदौर। शहर में अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खजराना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चला रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्रीन बेल्ट स्टार चौराहे के पास दबिश देकर आरोपियों को रंगे हाथों धरदबोचा। पुलिस के मुताबिक सूचना मिली थी कि खजराना क्षेत्र में कुछ लोग संगठित रूप से क्रिकेट मैच पर हार-जीत का दांव लगवा रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन तत्परता दिखाते हुए सभी को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में वीरसिंह सावलिया, दिनेश राठौर, अंगद पटेल, रोहित परमार और सचिन सोलंकी शामिल हैं। सभी अलग-अलग क्षेत्रों के निवासी बताए जा रहे हैं। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन सहित सट्टा संचालन में उपयोग होने वाली सामग्री जब्त की गई है। पुलिस ने सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि सट्टा किस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए संचालित किया जा रहा था और इसके तार किन-किन लोगों तक जुड़े हैं।

राऊ क्षेत्र में 2.48 करोड़ का पुल मंजूर, 6 लाख को फायदा होगा

अर्जुन नगर से ट्रेजर टाउनशिप जुड़ेगा, साल भर में काम

इंदौर। शहर में यातायात सुविधा मजबूत करने की दिशा में नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। राऊ विधानसभा क्षेत्र में अर्जुन नगर से ट्रेजर टाउनशिप के बीच करीब 2.48 करोड़ रुपए की लागत से नए पुल निर्माण को मंजूरी दे दी गई है। इस पुल के बन जाने से क्षेत्र के लगभग 6 लाख लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में छोटे और मध्यम आकार के पुलों के निर्माण प्रस्तावों को तेजी से स्वीकृति दी जा रही है। स्थानीय विधायकों और पार्षदों द्वारा लंबे समय से अपने-अपने क्षेत्रों में पुल और पुलिया निर्माण की मांग उठाई जा रही थी, जिसके चलते निगम ने कई प्रस्तावों को हरी झंडी दी है। निगम के पुल प्रकोष्ठ के अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना को एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण कार्य के लिए एजेंसी का चयन आगामी मई माह तक कर लिया जाएगा। यह कार्य मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों के माध्यम से, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के तय मानकों और शेड्यूल ऑफ रेट्स के अनुसार कराया जाएगा। इसके अलावा शहर के अन्य क्षेत्रों में भी आवश्यकतानुसार छोटे पुलों के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिससे ट्रैफिक दबाव कम करने और कनेक्टिविटी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

भोजशाला केस में हाई कोर्ट में लंबी बहस सोमवार को फिर सुनवाई, सौहार्द्र पर जोर

ब्रिटिश काल के ऐतिहासिक दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे

इंदौर। धार की भोजशाला को लेकर चल रहे विवाद पर शनिवार को उच्च न्यायालय में दो घंटे से अधिक समय तक तीखी बहस हुई। आपत्तिकर्ताओं की ओर से कहा गया कि भोजशाला को मंदिर बताने का कोई ठोस प्रमाण अदालत में पेश नहीं किया गया है। उनके अनुसार उपलब्ध विवरण से यह स्पष्ट होता है कि यह स्थान एक पाठशाला था, मंदिर नहीं। उन्होंने तर्क दिया कि 'शाला' का अर्थ विद्यालय होता है, न कि धार्मिक स्थल।

न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की संयुक्त पीठ के समक्ष सभी पक्षों को विस्तार से सुना गया। आपसी सहमति से विवाद सुलझाने की मांग वाली याचिका पर भी सुनवाई हुई। मामले में हस्तक्षेप करने वाले धार के नागरिकों की आपत्तियों पर भी पक्ष रखा गया। अब इस मामले में सोमवार को फिर सुनवाई होगी। आपसी सहमति से समाधान निकालने की याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता एके चितले ने लगभग पौन घंटे तक अपना पक्ष रखा और दोनों पक्षों में भाईचारा बनाए रखने के लिए रास्ता निकालने की बात कही। इसके बाद जिब्रान अंसारी, फिरोज और अयाज की ओर से दायर आपत्ति पर उनके अधिवक्ता सैयद अशआर अली वारसी ने दलीलें पेश कीं। उन्होंने इस पूरे विवाद की आधार याचिकाओं पर ही सवाल उठाते हुए कई दस्तावेज अदालत के सामने रखे।

सदियों से मस्जिद में नमाज - वारसी ने भोजशाला को मंदिर बताए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह स्थान पिछले लगभग 700 वर्षों से मस्जिद के रूप में उपयोग में रहा है, जहां नमाज अदा की जाती रही है। उन्होंने कहा कि जिन तथ्यों का हवाला दिया जा रहा है, उनमें भी इसे विद्यालय ही बताया गया है, ऐसे में मंदिर का दावा गलत है। यह भी कहा कि जिस आधार पर इसे संस्कृत विद्यालय या मंदिर बताया जा रहा है, वे दस्तावेज ब्रिटिश अधिकारियों के हैं। साथ ही लंदन स्थित संग्रहालय में रखी वाग्देवी की मूर्ति को लेकर याचिका दायर करने वालों के दावों पर भी सवाल उठाए।

मूर्ति सिटी पैलेस से लाए

अदालत में यह तर्क भी दिया गया कि जिस दस्तावेज का हवाला दिया जा रहा है, उसमें यह भी दर्ज है कि वाग्देवी की मूर्ति भोजशाला से नहीं, बल्कि सिटी पैलेस से लाई गई थी। इस तथ्य को अदालत से छिपाने का आरोप भी लगाया गया। साथ ही 1935 के धार रियासत के गजट और 1904 के अधिनियम का हवाला देते हुए इस स्थान को मस्जिद बताया गया। 1952 में पुरातत्व विभाग के एक अधिकारी द्वारा जारी दस्तावेज भी अदालत में प्रस्तुत किया गया, जिसमें उस समय उठे विवाद के दौरान इस स्थल को मस्जिद बताया गया था।

पूजा स्थल कानून का हवाला- बहस के दौरान 1991 के पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) कानून का भी उल्लेख किया गया। इसमें कहा गया कि 1947 में जिस धार्मिक स्थल का जो स्वरूप था, वही मान्य रहेगा। आपत्तिकर्ताओं का कहना था कि उस समय यह स्थल मस्जिद के रूप में उपयोग में था और केवल राम जन्मभूमि विवाद को ही इस कानून से बाहर रखा गया था। जबकि, वक्फ कानून का हवाला देते हुए कहा गया कि कोई संपत्ति एक बार वक्फ घोषित हो जाए तो वह हमेशा वक्फ ही रहती है। यदि किसी को आपत्ति है, तो उसे संबंधित प्राधिकरण के समक्ष जाना चाहिए। यह भी कहा गया कि संपत्ति से जुड़े अधिकार का मामला सिविल न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसके लिए धार जिला न्यायालय में वाद दायर किया जाना चाहिए था। अधिवक्ता वारसी ने यह भी कहा कि मंदिर होने के दावे तो किए गए हैं, लेकिन उनके समर्थन में प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। केवल प्राचीन ग्रंथों का उल्लेख पर्याप्त नहीं माना जा सकता।

जैन समाज की भी सुने - सुनवाई के दौरान जैन समाज की ओर से दायर याचिका पर भी पक्ष रखा गया। उनके अधिवक्ता ने सरकार द्वारा जवाब प्रस्तुत न करने की बात कही और उनकी याचिका को भी मुख्य मामले के साथ सुनने का आग्रह किया। अदालत ने सभी पक्षों को सुनने का आश्वासन दिया है।

सीएनजी कार में आग लगी, 5 लोगों ने बाहर कूदकर अपनी जान बचाई

राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई घायल भी नहीं हुआ

इंदौर। शहर के बॉम्बे हॉस्पिटल के पास शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक चलती कार में अचानक आग भड़क उठी। यह घटना रेडिसन होटल से बॉम्बे हॉस्पिटल जाने वाले मार्ग पर हुई। कार में सवार पूरा परिवार समय रहते बाहर निकल गया, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

विजयनगर पुलिस के मुताबिक, कार में मालिक के साथ उनकी बुजुर्ग मां, पत्नी और बेटी मौजूद थे। जैसे ही कार के अगले हिस्से से धुआं और लपटें उठने लगीं, आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद करते हुए सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल भी नहीं हुआ। कार में पांच लोग बैठे थे। ड्राइवर ने धुआं देखकर कार रोक ली और पूरे परिवार को बचा लिया। घटना से परिवार सहमा हुआ है। जरा-सी देर होने पर बड़ा हादसा हो जाता। कार में सीएनजी कनेक्शन था। एसीपी पराग सैनी के अनुसार घटना बाम्बे अस्पताल चौराहा की है। तेजपुरा (देवास) निवासी जयसिंह की कार में आग लगी है। जयसिंह ड्राइवरी करता है। जयसिंह कार से मां कृष्णा, पत्नी स्नेहा, बेटी केशवी और बुआ के बेटे अनिमय को लेकर इंदौर आया था। शाम को उसने ओल्ड पलासिया स्थित डॉक्टर से चेकअप करवाया और वापस देवास की ओर जाने लगा। जैसे ही ट्रैफिक सिग्नल के पास पहुंचा, बोनट से धुआं निकलते हुए देखा और कार रोक दी। जयसिंह कार से नीचे उतरा ही था कि आग की लपटें उठने लगीं।

कार लॉक होती तो मुश्किल- जयसिंह के अनुसार घटना से पूरा परिवार सहमा हुआ है। तार जलने की बदबू और धुआं देखकर उसने कार रोक ली थी। इस कारण परिवार भी बच गया। आग लगने से कार लॉक भी हो सकती थी। ऐसे में परिवार फंस जाता।

वीडियो बनाते रहे लोग- हादसे के दौरान कुछ लोग मदद करने के बजाय वीडियो बनाने में लगे रहे। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कार के बोनट से तेज लपटें उठती दिखाई दे रही है। आग के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ। फिलहाल पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

कार बनी आग का गोला

जयसिंह ने तुरंत परिवार को बाहर निकाला और दूर खड़ा हो गया। कुछ ही देर में कार आग का गोला बन गई। एसीपी के मुताबिक पुलिस ने ट्रैफिक रोका और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। संयोग से उसी वक्त पानी से भरे टैंकर का गुजरना हुआ और कार की आग बुझा दी गई। जयसिंह ने बताया कि कार में सीएनजी कनेक्शन था। संभवत: उसमें स्पार्किंग के कारण ही आग लगी है।

कल से शहर के ई-रिक्शा होंगे चार रंग के, पंजीयन भी शुरू

चार जोन के रुट में बांटे गए, हर जोन के रुट अलग

इंदौर। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में अड़चन बन रहे ई रिक्शा के संचालन पर अब यातायात पुलिस तल्खी बरतने की तैयारी में है। बेतरतीब ढंग से दौड़ने वाले ई रिक्शा पर कल 20 अप्रैल से लगाम लगना शुरू होगी। इनकी पहचान करने तथा तय रूटों पर चलाने के लिए इन्हें चार रंग में बांटा जाएगा। रंग और रूट पर चलने पंजीयन प्रक्रिया का लगातार पालन हो रहा है। चार रंगों में बंटते ही चार जोन में इनके रुट विभक्त किए जाएंगे। इससे एक ही जोन और उसके चौराहों पर ज्यादा देर तक रिक्शा नजर नहीं आएंगे। वहीं, कलर कोडिंग से यात्रियों को संबंधित रुट का आसानी से भान हो सकेगा।

किस जोन में कैसा रंग- जोन एक के बाणगंगा, गांधीनगर, एरोड्रम, मल्हारगंज, सदर बाजार, चंदन नगर, द्वारकापुरी और अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र (कलर नीला), जोन 2 के तिलक नगर, कनाड़िया, खजराना, विजयनगर, एमआईजी, परदेशीपुरा, हीरानगर थाना (कलर पीला),जोन 3 के सेन्ट्रल कोतवाली, तुकोगंज, पलासिया, संयोगितागंज, छोटी ग्वालटोली, आजाद नगर, तेजाजी नगर और एमजी रोड थाना क्षेत्र (कलर लाल), जोन 4 के जूनी इंदौर, रावजी बाजार, भंवरकुआ, सराफा, पंढरीनाथ, छत्रीपुरा, राजेन्द्र नगर, राऊ थाना क्षेत्र में (कलर सफेद) रहेगा। रूट के मान से ही रिक्शा आवाजाही कर सकेंगे। दूसरे थाना क्षेत्र में प्रवेश करते ही ट्रैफिक पुलिस को पता चल जाएगा।

कहां कितने पंजीयन

शहर में 10 हजार के आसपास ई रिक्शा है। इसमें से जोन एक में 1500, जोन दो में 1800, जोन तीन में 1750 तथा जोन 4 में 1000 रिक्शा चालकों ने पंजीयन कराए हैं। शेष को जल्द से जल्द पंजीयन के आदेश दिए हैं। पंजीयन नहीं होने पर रिक्शा पर कार्रवाई की जाएगी। अरविंद डांगी, टीआई यातायात विभाग के मुताबिक, कलर कोडिंग के बाद रिक्शा का रूटों पर संचालन 20 अप्रैल से किया जाना तय किया है। इसमें किसी प्रकार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शराब के पैसे नहीं मिलने पर हंगामा

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में युवक ने शराब पीने के लिए पैसे नहीं मिलने पर जमकर उत्पात मचाया। आरोपी ने सिक्योरिटी गार्ड के साथ मारपीट की और ऑफिस में घुसकर तोड़फोड़ कर दी। घटना न्यू लोहा मंडी देवास नाका इलाके की बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, खालसा चौक स्थित आइकन रेसीडेंसी में रहने वाले अंश दुबे ने बताया कि तिलक नगर निवासी अंकुर दुबे से उसका विवाद चल रहा था। मामले की शिकायत वह पहले भी थाने में कर चुका है। आरोप है कि इसके बाद अंकुर ने सोशल मीडिया पर गाली-गलौज वाले स्टेटस डालकर उसे परेशान किया। शुक्रवार को जब अंश अपने ऑफिस में मौजूद नहीं था, उसी दौरान अंकुर वहां पहुंच और उसने वहां तैनात सिक्योरिटी गार्ड मनोज से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। गार्ड ने मना किया तो वह भड़क गया। इसके बाद उसने कंप्यूटर सिस्टम, गेट और सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाया। जब गार्ड ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसके साथ मारपीट की।

संपादकीय

विपक्ष के बुलंद हौसले

लोकसभा में मोदी सरकार का महत्वाकांक्षी महिला आरक्षण गिराने के बाद देश में विपक्ष के हौसले फिर बुलंद है। कांग्रेसनीत इंडिया गठबंधन की पार्टियां अब एक बार फिर से देश के मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की तैयारी में जुट गई हैं। इस संदर्भ में विपक्ष का पहला प्रयास दोनों सदनों में लोकसभाध्यक्ष और राज्यसभा सभापति ने खारिज कर दिया था। हालांकि संसद के दोनों सदनों के अध्यक्षों का कहना था कि संविधान के अनुसार किसी भी अधिकारी को हटाने के लिए गंभीर कदाचार का ठोस सबूत जरूरी होता है। केवल राजनीतिक असहमति या प्रशासनिक फैसलों पर मतभेद के आधार पर हटाने की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती। अध्यक्षों ने यह भी कहा था कि कई आरोप या तो अनुमान पर आधारित हैं या फिर अदालत में विचाराधीन मामलों से जुड़े हैं, इसलिए इन्हें आधार बनाकर हटाने की कार्यवाई संभव नहीं है। लेकिन महिला आरक्षण बिल पर दिखी विपक्षी एकजुटता से अब कांग्रेस, टीएमसी, एसपी और डीएमके समेत दल 200 सांसदों का समर्थन जुटान की कोशिश में हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल हैं और फैसले पक्षपातपूर्ण दिखते हैं। लिहाजा उन्हें हटाने नया प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार कई विपक्षी पार्टियों के नेता इस मुद्दे पर एक साथ बातचीत कर रहे हैं और नया नोटिस तैयार किया जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि इससे पहले भी जो नोटिस दिए गए थे, उन्हें खारिज कर दिया गया था, लेकिन अब वे इस मुद्दे को और मजबूती से उठाना चाहते हैं। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल है और उसके कई फैसले पक्षपातपूर्ण दिखाई देते हैं। उधर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन को महिला आरक्षण बिल को गिराने के लिए केवल विपक्ष को कोसने का माध्यम बनाने पर भी सवाल उठ रहे हैं। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन की शुरुआत में ही पीएम मोदी ने कहा कि देश की करोड़ों महिलाओं की नज़र संसद पर थी। मुझे भी देखकर दुख हुआ कि नारी शक्ति का ये प्रस्ताव जब गिरा तो कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशियां मना रही थीं। ऐसे लोगों को इस देश की महिलाएं कभी माफ़ नहीं करेंगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन का राजनीतिक इस्तेमाल किया है। सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि एक हताश और निराश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 सालों में कुछ भी सार्थक न कर पाने के कारण, राष्ट्र के नाम अपने आधिकारिक संबोधन को कीचड़ उछालने और सरासर झूठ से भरे राजनीतिक भाषण में बदल दिया। जबकि देश में आचार संहिता पहले से ही लागू है और यह स्पष्ट था कि प्रधानमंत्री ने अपने विरोधियों पर हमला करने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कैसे किया। यह लोकतंत्र और भारत के संविधान का घोर अपमान है। राजनीतिक विश्लेषक भी इस बात से हैरान हैं कि मोदी ने जिस तरह से राष्ट्र के नाम संबोधन के ज़रिए विपक्षी दलों को घेरने की कोशिश की है, वैसी आज तक कभी किसी प्रधानमंत्री ने नहीं की थी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने अपने संविधान संशोधन बिल को लोकसभा से पारित न करा पाने के लिए माफ़ी मांगी है। लेकिन वास्तव में उन्हें महिलाओं के नाम पर परिसीमन के एक कुटिल प्रस्ताव को ज़बरदस्ती पारित कराने के अपने प्रयासों के लिए माफ़ी मांगनी चाहिए थी। महिला आरक्षण बिल पर भाजपा अब विपक्ष को सड़कों पर भी घेर रही है। लेकिन इस का राजनीतिक लाभ उसे कितना मिलता है, यह तो पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नतीजों से ही पता लग जाएगा।

नजरिया

रघु ठाकुर
लेखक समाजवादी विचारक हैं।

मूल्यविहीन होता समाज

एक तो यह दुखद प्रवत्ति उभरी है कि अपवाद छोड़कर बकाया सभी दल परिवारवाद की दिशा में प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से आगे बढ़ रहे हैं। आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी ने जिस परिवारवाद को और परिवार के केंद्रीयकरण को स्थापित किया था वह अब जनमत के दृष्टिकोण से पराजित हो चुका है। यह मिट भी रहा है परंतु उसका स्थान लोकतांत्रिक नेतृत्व के बजाय परिवार जनित नेतृत्व ही ले रहा है। जम्मू कश्मीर में दो परिवारों के बीच मुकाबला रहता है। एक पीडीपी है और दूसरी नेशनल कांफ्रेंस याने एक मरहूम मुफ्ती मोहम्मद सईद का परिवार दूसरा मरहूम शेख अब्दुल्ला का परिवार।

भारतीय राजनीति अब संक्रमण के दौर में नहीं बल्कि पतन के गंभीर दौर में है। संक्रमण का दौर अस्थाई होता है और जिसके अल्पावधि में बदलाव की संभावना होती है। भारतीय राजनीति पिछले कई वर्षों से लगातार पतन की खाई में गहरी धसती जा रही है। जहाँ एक तरफ राजनीति अधोपतन की ओर है वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज भी मानसिक रूप से आमतौर पर मूल्यविहीन और पतनोन्मुख बन रहा है।

एक तो यह दुखद प्रवृत्ति उभरी है कि अपवाद छोड़कर बकाया सभी दल परिवारवाद की दिशा में प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से आगे बढ़ रहे हैं। आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी ने जिस परिवारवाद को और परिवार के केंद्रीयकरण को स्थापित किया था वह अब जनमत के दृष्टिकोण से पराजित हो चुका है। यह मिट भी रहा है परंतु उसका स्थान लोकतांत्रिक नेतृत्व के बजाय परिवार जनित नेतृत्व ही ले रहा है। जम्मू कश्मीर में दो परिवारों के बीच मुकाबला रहता है। एक पीडीपी है और दूसरी नेशनल कांफ्रेंस याने एक मरहूम मुफ्ती मोहम्मद सईद का परिवार दूसरा मरहूम शेख अब्दुल्ला का परिवार। कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व भी ऐसे ही परिवारों से है हालांकि कांग्रेस अब वहां फ़ारूख़ अब्दुल्ला की पिछलग्गू पार्टी है इसलिए उसके नेतृत्व की कोई विशेष चर्चा नहीं है। पंजाब में भी प्रकाश सिंह बादल का परिवार है मुकाबले में पहले अमरिंदर सिंह का परिवार था अब दूसरे नए परिवार उभर रहे है। कुछ परिवार तो इतिहास के गर्त में समा चुके है। इसके बावजूद भी अभी उनकी असीम इच्छाएं अंदर अंदर धधक रही है। हरियाणा में भी हुड्डा परिवार, चौधरी देवीलाल का परिवार, दिल्ली में शीला दीक्षित, सुषमा स्वराज और साहिब सिंह वर्मा का परिवार है। याने मुकाबले में कम से कम राज्यों में तो कांग्रेस और भाजपा तथा अन्य दलों में भी परिवारों के बीच ही मुकाबला है। उत्तर प्रदेश में भी मुलायम सिंह परिवार और मायावती परिवार है और कांग्रेस तो खंडहर परिवारों का समुच्य है। यही स्थिति तमिलनाडु, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों की भी है। बंगाल में अभी चुनावी दृष्टिकोण से मुकाबला ममता और कांग्रेस के परिवार में है। ममता का परिवार भी यद्यपि अभी तक प्रत्यक्ष सत्ता में नहीं पहुँचा है परंतु पहुचने के मार्ग में है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दो योग्यताएं लोगों में चर्चित हैं, एक तो ये कि उनका कोई परिवार नहीं है और दूसरा कि वे पिछड़ी जाति के हैं। यह देश के पिछड़ी जातियों को लुभाता है और परिवार विरोधी मानसिकता को भाजपा के पक्ष में तर्क को बल देता है। हालांकि इसे भी अर्धसत्य माना जाना चाहिए क्योंकि एक तो प्रधानमंत्री का एक वैकल्पिक परिवार है, जो संस्था व सरकार को स्थाई नियंत्रित करता है और दूसरा प्रधानमंत्री का पिछड़ी जाति में जन्म लेना संघ और भाजपा की स्थापित सामाजिक शक्तियों को इस अर्थ में फायदेमंद है कि देश में पिछड़ी जातियों का महत्व मोदी के पक्ष में डालने के लिए लुभाता है। हालांकि श्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक के बारह वर्षों में पिछड़ी जातियों के लिए कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया है। यहाँ तक कि रोहिणी आयोग की रिपोर्ट भी वे लागू करना तो दूर उसका सार्वजनिक प्रेक्षण भी नहीं कर पाए है। दरअसल, श्री नरेंद्र मोदी सवर्णवादी शक्तियों के लिए पिछड़ी जातियों को फासने के लिए गारे या दाने के समान है जो केवल फंसाने के काम आता है। भाजपा ने राज्य के स्तर पर परिवार वाद को नया स्वरूप दिया है और संघ के पुराने निष्ठावान स्वयंसेवकों के परिवारजनों को योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया है। क्या ये परिवारवाद नहीं है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के पिता संघ और जनसंघ के जुड़े थे और नागपुर से पार्षद चुने गए थे। इसलिये मुख्यमंत्री बने। इसी प्रकार राजस्थान में विजयाराजे सिंधिया का परिवार है याने श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया हैं, कांग्रेस के श्री अशोक गहलोत का परिवार है और ऐसे ही कितने ही छोटे बड़े परिवार है। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष श्री जे पी नड्डा, जबलपुर के संघ के प्रचारक स्वर्गीय बनर्जी और श्रीमती जयश्री बनर्जी के दामाद हैं। अब बिहार के श्री नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है उनके पिता जी भी संघ और जनसंघ के थे और उन्हें पुरस्कृत किये जाने के पीछे एक कारण ये भी है। बिहार में तो आरजेडी के नेता लालू प्रसाद का पूरा परिवार है। भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शकुनि चौधरी के बेटे हैं और अब श्री नीतीश कुमार के सुपुत्र निशांत कुमार जदयू के नेता हैं। कुल मिलाकर देश की स्थिति ये ही है कि लोकतंत्र का नया सामन्तीकरण हो रहा है और वह परिवारों में सिमट रहा है।

दूसरी दुखद घटना यह है कि उम्मीद थी कि आजादी के बाद लोकतांत्रिक मानस का विस्तार होगा, लोकतंत्र परिपक्व होगा और चुनाव की प्रक्रिया से नया और काबिल नेतृत्व सामने आएगा परंतु यह उम्मीद भी धूमिल हुई है। भारतीय लोकतंत्र आज धनतंत्र, सत्तातंत्र, शक्तितंत्र और जाति तंत्र का बंदी बन गया है। हाल ही की एडीआर रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयोग की जानकारी प्रकाशित हुई, जिसके अनुसार पिछले वर्ष भारतीय जानता पार्टी को 6600 करोड़ का चंदा मिला है और कांग्रेस पार्टी जो देश के केंद्रीय रंगमंच से पिछले बारह साल से बाहर है और कई राज्यों में सत्ता से बाहर है को लगभग 450 करोड़ रुपया का चंदा मिला है और ऐसी ही अन्य दलों की स्थिति है। उद्योगपति चुनाव के लिए चंदा नहीं देते है बल्कि वे राजनीति में पूंजी निवेश करते है। याने पैसे से जन्मी राजसत्ता और राजसभा से पोषित पूँजीपतियों का एक गठजोड़ बन गया है। इसकी चक्की में देश पिस रहा है और सभी संवैधानिक संस्थाओं की साख संदिग्ध है। चाहे वह न्यायपालिका हो, कार्यपालिका हो, विधान पालिका हो या फिर चुनाव आयोग हो। अनास्था के समुद्र में देश डूब रहा है।

मतदाता ने भी अपने तात्कालिक लाभ को ही राजनीतिक कर्म मान लिया है। जो भी राजनीति की रिश्वत देगा वहाँ वोट पड़ेगा। वह चाहे मुफ्त बिजली, पानी या राशन हो, लाड़ली बहना हो या कुछ और अब मतदाता का विश्वास राजनीति और राजनेताओं पर नहीं रह गया है। वे नेताओं प्रति विश्वास और आस्था खो चुके है इसलिए जो आज मिलना है वही लेकर अपने वोट का इस्तेमाल करते है।

न्यायपालिका की साख भी गिरावट पर है। हालत यह है कि न्यायपालिका के अंदर से भी आरोप उठ रहे हैं और बाहर से भी, न्यायपालिका न्याय करने के बजाए उपदेशक बन गई है।

राजनीति का स्वरूप घात प्रतिघात का हो गया है। दलों ने अपने आंख और कान पर पट्टे बांध लिए है। वे उतना ही देखते हैं जो उन्हें अपने राजनैतिक आरोप के लिए देखना जरूरी है। पिछले पंद्रह दिनों से दुनिया विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है और युद्ध का फैलाव हो रहा है। इसका असर दुनिया के सभी देशों पर पड़ना स्वाभाविक है चाहे वे शक्तिशाली हो, अमीर हो या गरीब हो। भारत में भी इस युद्ध के प्रभाव से तेल, ईंधन और गैस का संकट आया है, जो स्वाभाविक है। देश के कोने-कोने में गैस के लिए लाइनें लगी हैं। देश के गैस पेट्रोलियम के ऊपर अघोषित रोक लगा दी गई है। होटल और रेस्तरा को गैस सिलिंडर नहीं दी जा रही परंतु सरकार कह रही है कि कोई समस्या नहीं है। दूसरी तरफ प्रतिपक्ष इस संकट के लिए प्रधानमंत्री और सरकार को जिम्मेदार बता रहा है। हालांकि इसमें सरकार की कोई बड़ी भूमिका नहीं है जब दुनिया में युद्ध होता है तब उसका असर दुनिया पर पड़ता ही है। कुल मिलाकर झूठ का व्यवहार है, सत्ता पक्ष का भी और प्रतिपक्ष का भी। देश की जीडीपी बढ़ी है परंतु प्रति व्यक्ति आय में हम बहुत पीछे है। यहाँ तक कि औसत आय में हम पाकिस्तान से भी पीछे है। विकास के नाम पर जो योजनाएं या नीतियाँ बनाई जा रही है वो देश को भविष्य में विनाश की ओर ले जाने वाली है। इस विकास से हवा, पानी और खाद्यान्न में जहर घुल रहा है और जीवन मूल्य समाप्त हो रहे हैं। संग्रह और भोग की अपार इच्छाएं तैयार की जा रही हैं। 60-70 वर्ष के वृद्ध लोग विवाह की वर्ष गाँठ मना रहे हैं और सारी उन कामों की पुनरावृत्ति कर रहे हैं जो उन्होंने जवानी में किये थे। विवाह के दिखावे के नाम पर डेस्टिनेशन वेडिंग, प्री डेस्टिनेशन वेडिंग फिर वेडिंग ये तीन-तीन शादियां एक ही व्यक्ति की हो रही है। ऐसा लागता कि सारा समाज इस भोग की खाई में गहरा धंस रहा है। देश में बाहर के खतरे हैं, भीतर की कमजोरियां हैं। अब देश को कैसे बचाया जाए, यह चिंता का विषय है?

राजनीति

प्रमोद भार्गव
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नारी शक्ति के प्रतिनिधित्व को अस्वीकारने की भूल

संसदीय विपक्ष ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़े संविधान संशोधन परिसीमन और केंद्र शासित क्षेत्र कानून संशोधन विधेयकों को अस्वीकारने की बड़ी भूल कर दी है। नरेंद्र मोदी जब से केंद्रीय सत्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, तभी से लगातार उन्हें चुनावों में नारियों ने बढ़-चढ़कर समर्थन दिया है। इसी कारण न केवल मोदी लोकसभा में तीसरी बार बहुमत लाने में सफल रहे बल्कि भाजपा और राजग गठबंधन के सहयोगी दलों को विधानसभाओं में भी विजय दिलाने में सफल हुए हैं। इन विधेयकों पर लगातार 21 घंटे चर्चा हुई इसके बाद मतदान की बारी आई। सत्ता पक्ष को 528 मतों में से 298 मत मिले, जबकि विरोध में 230 मत डाले गए। अतएव किसी भी संशोधन के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत राजग को नहीं मिला। इस बहुमत के लिए 352 मतों की जरूरत थी। अंततः नतीजा रहा कि संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। इस विधेयक को लाने की तीन दशक से चल रही कोशिश एक बार फिर लटक गई। इस परिणाम के चलते 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा नहीं मिल पाएगी, क्योंकि सरकार ये संशोधन इसलिए ला रही थी, ताकि आरक्षण जल्द से जल्द लागू हो सके। फिलहाल नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 लागू है। इसमें प्रावधान है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण अगली जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन के आधार पर लागू होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि जनगणना के अंतिम परिणाम 2027 में आएंगे। तब कहीं जाकर पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया संभव होगी। इस परिसीमन को लेकर ही संशोधन विधेयक अटक गए हैं। हालांकि सत्ता पक्ष ने भरोसा दिलाया था कि सीटें बढ़ेगी तभी महिलाओं के लिए आरक्षण का सही लाभ मिलेगा और सभी राज्यों में एक समान रूप से 50 प्रतिशत सीटों की बढ़ोत्तरी होगी। अमित शाह ने इस दलील को विधेयक में दर्ज करने की मंशा भी प्रकट कर दी थी।

लेकिन विपक्ष की यह आशंका बनी रही कि परिसीमन के बहाने सीटों की संरचना कुछ इस तरह से निर्धारित होगी कि भाजपा समर्थित वोट बड़ी संख्या में क्षेत्र में समा जाए। लेकिन विपक्ष को सरकार द्वारा जताया गया कोई भी फार्मूला रास नहीं आया। दरअसल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों के दल प्रमुखों ने यह अंदाजा लगा लिया कि इन प्रांतों में जनसंख्या कम होने के कारण राजनीतिक रूप से वे नुकसान में रहेंगे। अतएव तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तो परिसीमन को लेकर दक्षिण में मोर्चाबंदी भी षुरू कर दी थी। राज्य में काले झंडे लेकर प्रदर्शन करने का ऐलान तक कर दिया था। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस पहल को संघीय ढांचे को कमजोर करने और दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक आवाज को दबाने वाला कदम बता दिया था और तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा था कि इतना बड़ा संवैधानिक बदलाव सभी दलों की सहमति के बिना संभव नहीं है। इन साझा आवाजों की बुलंदी ने इन विधेयकों को पारित नहीं होने दिया। नारी शक्ति यदि वाकई इसे विपक्ष की भूल मानती है तो वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों में इसका असर असम, बंगाल और तमिलनाडु में देखने को मिल सकता है।

इन विधेयकों को अटकाने के लिए विपक्ष ने कोटे में कोटा देने का उपाय की भी मांग कर डाली। मायावती ने इस विधेयक का स्वगत करते हुए कहा कि 33 प्रतिशत कोटे में एससी-एसटी और ओबेसी की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था हो। आरक्षण के कोटे में विभिन्न वर्गों के लिए अलग से आरक्षण लागू करने की यह बात विपक्ष ने उस समय नहीं उठाई थी, जब 2023 में इस विधेयक को लाया गया था। जबकि परिसीमन विधेयक पारित हो जाता तो सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा काम होता। क्योंकि 128वां संवैधानिक संषोधन विधेयक पारित होने के बाद संसद के दोनों सदनों से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत तय हो जाती। विधेयक के कानून में बदलने और क्रियान्वित होने के बाद वर्तमान स्थिति के हिसाब से लोकसभा में महिलाओं के लिए 181 और राज्य विधानसभाओं में 1374 सीटें बढ़ जाती। इस समय देश में करीब 44 करोड़ महिला मतदाता हैं। इन्हीं में से 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाएं उम्मीदवार बनाई जातीं। 2034 में क्या स्थिति बनेंगी, यह भविश्य के गर्भ में है।

दरअसल इन विधेयकों के कानून बनते ही ऐसे कई दोहरे चरित्र के चेहरे हाशिये पर चले जाएंगे, जो पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, गाहे-बगाहे बीते 27 साल से गतिरोध पैदा किए हुए हैं। विधेयक से असहमत दलों की हमेशा ही 33 फीसदी आरक्षण के कोटे में पिछड़े और मुस्लिम समुदायों की महिलाओं को आरक्षण की मांग बनी रही है। जबकि संविधान के वर्तमान स्वरूप में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति के समुदायों को आरक्षण की सुविधा हासिल है। ऐसे में मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को कोटे में कोटा देना कैसे संभव है? हमारे लोकतांत्रिक संविधान में धार्मिक आधार पर किसी भी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लिहाजा इस बिना पर मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण की सुविधा कैसे हासिल हो सकती है ? दरअसल इस कानून के वजूद में आ जाने के बाद अस्तित्व का संकट उन काडर विहीन दलों को है, जो व्यक्ति और जाति आधारित दल हैं। इसी कारण लालू, मुलायम और शरद यादव इस बिल के विरोध में दृढ़ता से खड़े होते रहे थे। अब इसी लाइन पर राहुल गांधी, अखिलेष यादव और मायावती हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में जातियता के बूते क्रियाशील इन यादवों की तिकड़ी का दावा रहता है कि इस अलोकतांत्रिक विधेयक के पास होने के बाद पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के लिए जम्हूरियत के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे। जबकि उनकी वास्तविक चिंता यह नहीं है ? दरअसल 33 फीसदी आरक्षण के बाद बाहुबलि बने पिछड़े वर्ग के आलाकमानों का लोकसभा व विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक आधार तो सिमटेगा ही, सदनों में संख्याबल की दृष्टि से भी इन दलों की ताकत घट जाएगी। अन्यथा ये सियासी दल वाकई उदार और पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के ईमानदारी से हिमायती हैं, तो सभी आरक्षित सीटों पर इन्हीं वर्गों से जुड़ी महिलाओं को उम्मीदवार बना सकते हैं ? बल्कि अनारक्षित सीटों का भी इन्हें प्रतिनिधित्व सौंप सकते हैं ? दरअसल इन कुटिल राजनीतिज्ञों के दिखाने और खाने दांत अलग-अलग हैं। गोया तय है कि अल्पसंख्यकों की बेहतर नुमाइंदगी की वकालात के इनके दावे थोथे हैं। इन दलों का दोहरा चरित्र इस बात से भी जाहिर होता रहा है कि जब देश की पंचायती राज्य व्यवस्था में महिलाओं का 33 फीसदी से 50 फीसदी आरक्षण बढ़ाने का विधेयक लाया गया था, तब ये सभी दल एक राय थे। यही नहीं जब नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण का विधेयक लाया गया था, तब भी इन दलों की सहमति बनी रही। लेकिन जब लोकसभा व विधानसभा की बारी आती है तो यही दल गतिरोध पैदा करने लग जाते हैं। क्योंकि इस विधेयक के लागू होते ही इनके निजी राजनीतिक हित प्रभावित हो जाएंगे। इनका लोकसभा और विधानसभा में पुरूषवादी वर्चस्व का दायरा 33 फीसदी घट जाएगा। राजनेताओं के लिए यह विधेयक इसलिए भी वजूद का संकट है, क्योंकि जिन लोक व विधानसभा क्षेत्रों से ये लोग लगातार विजयश्री हासिल करते चले आ रहे हैं, वह क्षेत्र यदि महिला आरक्षण के दायरे में आ गया तो इन्हें चुनाव लड़ना भी मुश्किल हो जाएगा ? तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी ने भी मुस्लिम समुदाय को बरगलाए रखने के नजरिये से इस विधेयक का विरोध किया था। भ्रष्टाचार में लिप्त ऐसे नेता भी इस विधेयक का विरोध करते रहे थे। जिनके लिए सांसद अथवा विधायक के रूप में लोक सेवक बने रहना, सुरक्षा कवच का काम करता है। हमारे देश में विकास को आंकड़ों और व्यक्तिगत उपलब्धि को संख्या बल की दृष्टि से देखने-परखने की आदत बन गई है। इस नाते हम मानकर चल रहे हैं कि 543 सदस्यीय लोकसभा में 181 महिलाओं की आमद दर्ज होने और 28 राज्यों की कुल 4123 विधानसभा सीटों में से महिलाओं के खाते में 1374 सीटें चली जाने से देश की समूची आधी आबादी की शक्ल बदल जाएगी। अथवा स्त्रीजन्य विषमताएं व भेदभाव समाप्त हो जाएंगे। फिलहाल लोकसभा में 74 महिलाएं सांसद हैं। यह भागीदारी लगभग 14 प्रतिशत बैठती है। वहीं राज्यसभा में 42 महिला सांसद हैं, जो मात्र 17 प्रतिशत है। एक तिहाई आरक्षण लागू होने के बाद लोकसभा में महिलाओं की संख्या बढ़कर 181 और राज्यसभा में 73 हो जाएगी। 1952 में गठित पहली लोकसभा में सिर्फ 4.4 प्रतिशत यानी 489 में से महज 22 महिलाएं सांसद थीं। विधानसभाओं में महिला विधायकों की उपस्थिति केवल 9 फीसदी है। अब 2027 में 2011 की जनगणना के आंकड़े आने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा और विधानसभाओं की सीटें अप्रत्याशित रूप में बढ़ सकती हैं, तब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की शक्ति तो बढ़ेगी ही, दोहरे चरित्र के नेता भी हाशिए पर चले जाएंगे।

पार्टियां लागू कर दें, इंतजार किस बात का?

महिला आरक्षण

श्याम बोहरे
लेखक समाजसेवी हैं।

बचपन से सुनते आये हैं कि 'सभी लोगों को कुछ समय के लिए बेवकूफ बनाया जा सकता है, कुछ लोगों को सभी समय तक बेवकूफ बनाया जा सकता है, लेकिन सभी लोगों को सभी समय तक बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता है।' हमारे राजनेता और किसी काम के काबिल हों या न हों लेकिन इस कहावत को सिर के बल खड़ा करने की महारत उन्होंने हासिल कर रखी है। यदि शैतान के वकील (डेविल्स एडवोकेट) की भाषा में बात की जाये तो जब संसद, विधानसभाओं, सरकारी विज्ञापनों एवं अन्य सरकारी मंचों से घोषित नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों को जमीन पर अवतरित होते देखते हैं तो अपनी उदासीनता, अज्ञानता और जनता को हमेशा बेवकूफ बनाए रखने की सरकार की क्षमताओं का लोहा तो मानना ही पड़ता है। यह समझ में नहीं आता कि 'का पानी में घुल गयो, का माटी को दोष, बोई गुठली आम की फिर क्यों फरे बबूल'? हाल ही में बहुचर्चित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और महिला आरक्षण को लेकर संसद में सत्ता पक्ष के सदविचार, अखबारों में विज्ञापनों और विज्ञापनों की कीमत चुकाते हुए शीर्षक और लेख जो बयान कर रहे हैं यदि वह सच है तो अमृतकाल की सार्थकता में संदेह का सवाल ही नहीं उठता। सत्ता पक्ष के दिल को बहलाने के लिए खयाल अच्छा है लेकिन बुरा हो चचा गालिब का जिन्हें जन्नत की हकीकत भी मालूम थी और वे वह हकीकत हमें बता गए। हकीकत को जानने की कोशिश करते हैं।

यह कहा जाता है कि हमारी संस्कृति में महिलाओं को हमेशा पूज्यनीय माना गया है। शास्त्रों की मानें तो स्त्रियों को देवताओं और बेशकीमती रत्नों के समान माना गया है। स्त्रियां हमेशा महान रहीं हैं और स्त्री से अधिक पवित्र कुछ भी नहीं है। 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता'। स्त्री महानता की इस श्रृंखला को बढ़ाते हुए चाणक्य के कथन को भी देख लेते हैं -पुरुषों की तुलना में स्त्री की बुद्धि चार गुना अधिक होती है, आहार दो गुना अधिक होता है और उनका साहस पुरुषों की तुलना में छह गुना होता है। यदि उक्त कथनों पर भरोसा किया जाये तो स्वाभाविक सवाल है कि जब महिलाओं की शक्ति और महानता हमारी संस्कृति में इतनी रची-बसी है तो स्त्रियों को अपना उचित स्थान पाने के लिए इतनी जद्दोजहद क्यों करना पड़ रही है? वह भी आजादी के 79 साल और देश के संविधान में समता का प्रावधान हुए 76 साल के बाद भी।

देश के सभी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को समान अधिकार, उनको समान अवसर दिलाने, उनके सशक्तिकरण, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक से बड़ कर एक वायदे किए। संसद में लगभग चार दशकों से रस्मअदायगी के लिए बहस होती रही है। इन बहसों के दौरान सभी दल महिलाओं को आगे लाने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर करते रहे हैं लेकिन वह नहीं किया जिसे लागू करने के लिए किसी कानून की जरुरत नहीं है। यदि राजनैतिक दल विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को पुरुषों के बराबर सीटें देते तो उन्हें कौन रोक रहा था? पुरुषप्रधान समाज में जहां तक संभव हो महिलाओं को बराबरी की जगह न देने के लिए कानूनी मकड़जाल, तरह-तरह की जुमलेबाजी, आरोप-प्रत्यारोप सहित हर संभव तिकड़मबाजी करते रहे। जब मजबूरी में कुछ करने की बाध्यता आ ही गई तो उसे इस तरह किया कि अधिकतम प्रचार और न्यूनतम परिणाम ही मिले। बुन्देली में एक कहावत है कि 'जितने की रामधुन नहीं हुई उससे ज्यादा के मंजीरे फोड़ डाले'। इस कहावत को परखने के लिए यदि कास्ट बेनिफिट एनालेसिस (लागत लाभ विश्लेषण) की जाये तो दूध का दूध पानी का पानी सामने आ जायेगा। लागत के हिसाब में संसद में हुई बहसों में जो समय खर्च हुआ उसमें होने वाला व्यय, कार्यक्रम को लागू करने वाली प्रशासनिक मशीनरी का समय, कर्मचारियों का वेतन और अन्य प्रसांगिक व्यय सहित, विज्ञापनों में किया गया खर्च आदि। जाहिर है जितना भी खर्चा हुआ वह उसी जनता के टैक्स के पैसे से होता है जिसे ये सेवायें मिलतीं हैं। यदि जितनी सेवायें जनता को मिलीं उसके अनुपात में खर्च अधिक हुआ हो तो जनता को उनके 'सेवकों' से यह क्यों नहीं कहना चाहिए कि आप बहुत ही योग्य, संवेदनशील, क्षमतावान, प्रतिबद्ध और हमारे हितैषी होंगे, लेकिन इतने महंगे सेवक रखने की हमारी हैसियत नहीं है। हमारे उपर मेहरबानी कीजिए, आप हमारी सेवा करने का काम छोड़कर और कुछ काम देख लीजिये।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुरेश रायकवार
लेखक व्यंग्यकार हैं।

कबीरा आप ठगाइए

कबीरा आप ठगाइए, और ना ठगिए कोय।
आप ठगे सुख होत है, और ठगे दुख होय॥

दयारामजी बचपन से ही कबीर के उपरोक्त दोहे से काफी प्रभावित रहे और उन्होंने इसे अपने जीवन में शब्दशः क्रियान्वित भी किया। यही कारण रहा कि बेचारे बचपन से आज तक कभी मित्रों से तो कभी रिशतेदारों से, कभी व्यापारी से तो कभी नेताओं से और कभी-कभी तो साधुओं से भी लगातार ठगा ही ठगा रहें है। पिछले सप्ताह की ही बात है, वे पत्नी के साथ बाजार में एक दुकान पर गए, अभी दुकान में बैठे ही थे कि नौकर चमचमाते ग्लास में पानी लेकर आया, दयाराम जी के गले से पानी उतरा भी नहीं था कि दुकानदार ने बड़े आग्रह पूर्वक पूछा - 'आप चाय कॉफी क्या लेंगे? अपना आदर सत्कार होते देख दयारामजी गदगद हो गए और बोले - 'कुछ भी चलेगा'। उन्हे नहीं मालूम था कि इस आधा कप चाय की कीमत उन्हे कितनी चुकानी होगी। सामान लेकर जब घर पहुंचे और उनके पोते ने उसी सामान का भाव ऑनलाइन देखकर बताया तो वे ठगे से रह गए।'

देश में इतने प्रकार की ठगी चल रही हैं कि बेचारे दयारामजी चाहकर भी ठगाने से बच नहीं पाते हैं - दिन भर मोबाइल पर विज्ञापन आते रहते है कभी फलाना ऑफर तो कभी धिकाना ऑफर। कहीं एक के साथ दो फ्री, तो कहीं 80 प्रतिशत डिस्काउंट का ऑफर, कहीं बिना ब्याज किश्तों में भुगतान की पेशकश तो कहीं आकर्षक पैकेज का प्रस्ताव। भगवान कहलाने वाले देश के महान से महानतम खिलाड़ियों, फिल्मों के महानायकों द्वारा किए जा रहे भ्रामक विज्ञापन के फेर में, भोले-भाले दयारामजी लगभग रोज ही ठगाते हैं। कभी तेल में तो कभी साबुन में, कभी केसर वाले गुटखे में तो कभी चाय, मसाले, टूथपेस्ट और तूफानी ठंडे में। एक बार तो एक विज्ञापन देखकर वे ठंड में अंडर गारमेंट खरीद लाये, फिर बिना स्वेटर पहने तेज ठंड में बाजार चले गए। बेचारे! जैसे-तैसे ठिठुरते-ठिठुरते वापस घर पहुंचे।

ओल्ड-एज दयारामजी ने नौकरी में वेतन-भत्तों का पैकेज तो सुना था किन्तु हैरानी और आश्चर्य उन्हे तब हुआ जब हॉस्पिटल की मृत्युशैय्या पर पड़े मरीज के इलाज के लिए पैकेज ऑफर किया गया। और तो और पोते पोतियों के स्कूल कॉलेज की फीस, वकील की फीस, हलवाइ (केटरर्स) का मेहनताना भी पैकेज के अंतर्गत भुगतान हो रहे है, यह सुनकर वे अचंभित रह गए। बाजार में ठगी का सबसे वैध और संवैधानिक हथियार है एमआरपी, जिसके माध्यम से मामूली-से-मामूली लागत वाली चीजों के ऊंचे-ऊंचे दाम निर्धारित किए जाते है और फिर इन्ही दामों पर भारी-भरकम डिस्काउंट देकर जनता को ठगा जाता है। आपके ठगाने की सीमा यहीं समाप्त नहीं होती है, इसके आगे भी यदि आप सोचते हैं कि आपका बैंक बेलेंसे तो कम-से-कम सुरक्षित है, तो यह भी आपका भ्रम ही है। क्योंकि इसके लिए भी देश में साइबर-ठग इतने सक्रिय हैं कि वे आपको डिजिटल-अरेस्ट करके आपसे करोड़ों रुपये ठग सकते है, और आपके बैंक खाते में झाड़ू लगा सकते है। डिजिटल ठगाई के प्रकरणों में बैंक तथा पुलिस का सुरक्षा तंत्र एक लकवा-ग्रस्त मरीज की तरह असहाय सा देखता भर रह जाता है, कर कुछ नहीं पाता।

देश में, जबसे चुनाव आरंभ हुए हैं आदरणीय दयारामजी को सबसे अधिक नेताओं के झूठे और आकर्षक वादों ने ठगा है। नेताओं द्वारा उन्हे कभी महंगाई, तो कभी भ्रष्टाचार से मुक्ति, कभी राष्ट्र-भक्ति के लोकलुभावन नारों से तो कभी धर्म और जाति के नाम पर ठगा जाता रहा है। चुनावों में तो जनता को ठगने के लिए हमारे शातिर नेता, कभी अपने हाथ-पैर तुड़वाकर सहानुभूति अर्जित करते हैं तो कभी किसी नेता की मृत्यु पर सहानुभूति से वोट हासिल करते हैं। दिल्ली में तो एक नेता ने बेहद ईमानदार बनकर ठगा और रेकॉर्ड मतों से विजयी होने के बाद बेईमानी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये। किन्तु क्या करें उन्हे तो कबीरजी के दोहे अनुसार ठगाने में ही सुख मिलता है।

दयारामजी जब भी बीमार होते हैं उन्हे डॉक्टरों द्वारा गंभीर बीमारियों का डर बता कर अनावश्यक जाँचे करवाई जाती है, जाँचों की फीस में डॉक्टर साहब का भी कमीशन निर्धारित होता है। बड़े-बड़े कार्पोरेट द्वारा संचालित अस्पतालों में तो डॉक्टरों को ऑपरेशन के टारगेट दिये जाते है। वे अपने मरीजों को मामूली-सी स्वास्थ्य समस्या के लिए भी ऑपरेशन की सलाह देकर ठगी की दुकान चला रहा है। अस्पताल के कमरों में होटल-नुमा सुविधाएं देकर खूब लूटा जा रहा है। आयुष्मान बीमा योजना ने तो अस्पतालों में ठगी और लूट को दुगुना कर दिया है।

दयारामजी जब अपने पोते को स्कूल में भर्ती करवाने गए तो एक वर्ष की फीस-राशि (पैकेज) सुनकर उनके होश उड़ गए। इतनी राशि में तो उन्होने पढ़ाई-लिखाई के साथ ही, गाजे-बाजे के साथ बड़े धूम-धाम से अपनी सगाई भी कर ली थी। अङ्ग्रेज़ी माध्यम के इन कॉन्वेंट स्कूलों द्वारा भी खूब ठगी की जा रही है, बच्चों को स्कूल में नाश्ता और दोपहर के भोजन तथा स्पोर्ट्स के नाम पर भारी फीस वसूल की जाती है, बच्चों का पढ़ाई पर कम और खाने पर ज्यादा ध्यान होता है, यही कारण है कि बच्चों के दिमाग की बजाए वजन अधिक बढ़ता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि देश में केवल दयारामजी ठगा रहे हैं, कबीरदास जी के दोहे का असर सरकारों पर भी देखने को मिलता है। अब देखिये ना संबंध सुधारने के चक्कर में हमारी सरकारें पाकिस्तान से कई बार ठगा चुकीं हैं। हर बार उस नापाक की चिकनी-चुपड़ी बातों से ठगा जाती है तथा परिणाम में कभी युद्ध तो कभी आतंकवादी घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार हमने ट्रम्प को चुनाव जिताने के लिए क्या-क्या नहीं किया वैल्कम ट्रम्प पर करोड़ों फूँक दिये किन्तु ट्रम्प ने हमारे देश पर ही अधिकतम टेरीफ़ जड़ दिया।

आखिर में परेशान होकर बेचारे दयारामजी साधुओं के पास गए, किन्तु वहाँ से भी ठगा के ही घर को लौटे।

भारत में पर्यावरण की रक्षा और कानूनी प्रावधान

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत अनुच्छेद 48-ए के मुताबिक, राज्य पर्यावरण संरक्षण व उसको बढ़ावा देने का काम करेगा। साथ ही देशभर में जंगलों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा की दिशा में भी कार्य करेगा। संविधान के अनुच्छेद 51-ए (जी) में कहा गया है कि वनों एवं वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसमें सुधार करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य होगा। लेकिन, मूलभूत सवाल यह है कि, क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक हैं!

दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस तथ्य पर यह चिंता जताई है कि दिल्ली में अंधाधुंध तरीके से पेड़ों की कटाई की जा रही है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के वन विभाग को एक हलफनामा दाखिल कर यह बताने के निर्देश दिए कि पिछले एक साल में उसने दिल्ली में पेड़ काटने की अनुमति कितनी बार दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र कुमार कौरव एक याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसे श्याम किशन सराफ नाम के एक व्यक्ति ने दायर की है। इस याचिका में इस बात पर चिंता जताई गई थी कि दिल्ली में वन विभाग से उचित अनुमति लिए बिना ही मनमाने ढंग से पेड़ों की कटाई की जा रही है। दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 की धारा 8 के तहत दिल्ली में वन विभाग से पहले से अनुमति लिए बिना पेड़ों को काटना प्रतिबंधित है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस बारे में भी जानकारी मांगी है कि 1 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2026 के बीच दिल्ली में कितनी बार पेड़ों को काटने की अनुमति दी गई।

इसके साथ ही दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में वन विभाग से एक हलफनामा भी प्रस्तुत करने का आदेश दिया, जिसमें बताया जाए कि 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 की धारा 8 के तहत कितनी अनुमतियां प्रदान की गई। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता द्वारा अपनी याचिका में उठाई गई बड़ी चिंताओं पर वन विभाग और दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से भी जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय ने खास तौर पर वन विभाग को यह बताने को कहा कि वह गैर-कानूनी पेड़ों की कटाई की चिंताओं से वह कैसे निपटता है। उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया, कि रेस्पोंडेंट-अथॉरिटी वन विभाग को यह बताए कि याचिकाकर्ता की शिकायत पर क्या कार्यवाही की जा रही है। विभाग को यह भी बताना होगा कि ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए कोई सिस्टम मौजूद है या नहीं। याचिकाकर्ता ने दिल्ली के एक इलाके में पेड़ों को बचाने के लिए न्यायालय से दखल देने की मांग की है। उन्होंने इस मामले में वन विभाग की तरफ से कोई कार्रवाई न करने का हवाला देते हुए न्यायालय में यह याचिका प्रस्तुत की है।

वन से संबंधित कानून एवं नियम क्या है और क्या वनों में वृक्षों को कैसे काटा जा सकता है यह जानना चाहिए। भारत में वन अधिनियम के अलावा, वन की पूर्ण देखरेख वन संरक्षक अधिनियम के तहत होती है। यह दर्द केवल दिल्ली का नहीं है। यह इंदौर सहित पूरे भारत के प्रत्येक शहर की वेदना है।

यह प्रकरण पर्यावरण की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करता है और साथ ही संबंधित कानूनों से भी परिचय कराता है। वन (संरक्षण) नियम, 2022 के प्रावधानों में समितियों के गठन का प्रावधान है। इसने सलाहकार समिति, प्रत्येक एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालयों में एक क्षेत्रीय प्राप्त समिति और राज्य / केंद्रशासित प्रदेश (यूटी) सरकार के स्तर पर एक स्क्रीनिंग समिति का गठन किया जाता है। साथ ही पर्वतीय या पहाड़ी राज्य वन भूमि को अपने भौगोलिक क्षेत्र के दो-तिहाई से अधिक कवर करने वाले हरित आवरण के साथ या राज्य / केंद्रशासित प्रदेश अपने भौगोलिक क्षेत्र के एक-तिहाई से अधिक को कवर करने वाले वन भूमि के अंतरण में सक्षम होंगे। इसके अलावा अन्य राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों, जहाँ कवर 20 प्रतिशत से कम है, वहां प्रतिपूरक वनरोपण करना सम्मिलित है।

इसके अलावा निजी वृक्षारोपण की अनुमति भी शामिल है। यह नियम निजी पार्टियों के लिए वृक्षारोपण करने और उस भूमि को उन कंपनियों को बेचने का प्रावधान करता है जो आवश्यक प्रतिपूरक वनीकरण लक्ष्यों से प्रेरित हैं। नवीन नियमों से पहले, राज्य निकाय एफएसी को दस्तावेज अग्रेषित करते थे, जिसमें इस स्थिति की जानकारी भी शामिल होती थी कि क्या संबद्ध क्षेत्र में स्थानीय लोगों के वन अधिकारों का निपटान किया गया था। नए नियमों के अनुसार, एक परियोजना जिसे एक बार एफसी द्वारा अनुमोदित कर राज्य के अधिकारियों को सौंप दी जाएगी, प्रतिपूरक निधि और भूमि एकत्र करेंगे एवं इसे अंतिम अनुमोदन के लिये संसाधित करेंगे। पहले ग्राम सभा या क्षेत्र के गाँवों में शासी निकाय की सहमति के लिए वन भूमि के परिवर्तन हेतु लिखित सहमति की आवश्यकता होती थी। वन सुरक्षा उपायों और आवासीय इकाइयों (एकमुश्त छूट के रूप में 250 वर्ग मीटर के क्षेत्र तक) सहित वास्तविक उद्देश्यों के लिये संरचनाओं के निर्माण कार्य के अधिकार की अनुमति है।

भारत में वनों की स्थिति जानना भी उपयोगी है। भारत वन स्थिति रिपोर्ट, 2021 के अनुसार, कुल वन और वृक्ष आवरण अब 7,13,789 वर्ग किलोमीटर है। यह देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.71 प्रतिशत है, यह वर्ष 2019 के 21.67 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। इसमें वनावरण (क्षेत्रवार) मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र सम्मिलित है। आरक्षित वन सबसे अधिक प्रतिबंधित वन होते हैं और राज्य सरकार द्वारा उन वन भूमि या बंजर भूमि पर निर्धारित किये जाते हैं जो सरकार की संपत्ति है। स्थानीय लोगों को आरक्षित वनों में तब तक जाने की अनुमति नहीं है जब तक कि कोई वन अधिकारी बंदोबस्त प्रक्रिया के दौरान उन्हें आधिकारिक तौर पर अनुमति नहीं देता।

राज्य सरकार को आरक्षित वनों के अलावा ऐसी किसी भी भूमि को संरक्षित वनों के रूप में गठित करने का अधिकार है, जिस पर सरकार का स्वामित्व है और ऐसे वनों के उपयोग के संबंध में नियम जारी करने की शक्ति है। इस शक्ति का उपयोग ऐसे वृक्षों जिनकी लकड़ी, फल या अन्य गैर-लकड़ी उत्पादों में राजस्व बढ़ाने की क्षमता है, पर राज्य का नियंत्रण स्थापित करने के लिए किया जाता है। ग्राम वन वे हैं जिनके संबंध में राज्य सरकार ''किसी भी ग्राम समुदाय को किसी भूमि या आरक्षित वन के रूप में सूचीबद्ध भूमि संबंधी अधिकार सरकार को सौंप सकती है।'' इनमें आरक्षित वन, संरक्षित वन, ग्राम वन सम्मिलित है।

42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के माध्यम से शिक्षा, नाप तौल एवं न्याय प्रशासन, वन, वन्यजीवों तथा पक्षियों के संरक्षण को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गया था। राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत अनुच्छेद 48-ए के मुताबिक, राज्य पर्यावरण संरक्षण व उसको बढ़ावा देने का काम करेगा। साथ ही देशभर में जंगलों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा की दिशा में भी कार्य करेगा। संविधान के अनुच्छेद 51-ए (जी) में कहा गया है कि वनों एवं वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसमें सुधार करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य होगा। लेकिन, मूलभूत सवाल यह है कि, क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक है!

यह पहल भारतीय नीति, 1952 शामिल है। यह औपनिवेशिक वन नीति का सरल विस्तार था। इस अधिनियम में समग्र वन क्षेत्र को कुल भूमि क्षेत्र के एक-तिहाई तक बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। वन संरक्षण अधिनियम, 1980 में निर्धारित किया कि वन क्षेत्रों में स्थायी कृषि-वानिकी का अभ्यास करने के लिये केंद्रीय अनुमति आवष्यक है। उल्लंघन या परमिट की कमी को एक आपराधिक कृत्य माना गया। साथ ही राष्ट्रीय वन नीति, 1988 का अंतिम उद्देश्य प्राकृतिक विरासत के रूप में वनों के संरक्षण के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना था। इसे निम्नीकृत वन भूमि के वनीकरण के लिये वर्ष 2000 में लागू किया गया है। इसे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य संबंधित अधिनिय में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 और जैव विविधता अधिनियम, 2002, अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 है जो वन में निवास करने वाली अनुसूचित जनजातियों (एफडीएसटी) और अन्य पारंपरिक वनवासी (ओटीएफडी) जो पीढ़ियों से जंगलों में निवास कर रहे हैं, को वन भूमि पर उनके वन अधिकारों को मान्यता प्रदान करता है।

उसकी इच्छाओं में बारिश थी: सजग, खुद्दार स्त्री की कविताएं

पुस्तक इन दिनों

अनुपमा तिवाड़ी

समीक्षक

देवयानी भारद्वाज का नया दूसरा कविता संग्रह 'उसकी इच्छाओं में बारिश थी' राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित हुआ है। इसकी भूमिका वरिष्ठ कवियत्री सविता सिंह ने लिखी है और आवरण चित्र कुंतल ने बनाया है। इस कविता संग्रह में कुल 65 कविताएँ हैं। जिनमें अधिकांश कविताएँ स्त्री केन्द्रित हैं। देवयानी की कविताओं की स्त्री सजग है, खुद्दार है। वह समाज के सामने सवाल मुखरता से करती दिखाई दे रही है। ऐसी ही कविताएँ हैं - औरतें सपने नहीं देखा करतीं, एक बुढ़िया आवारा हो गई, मम्मियाँ, दादियाँ, पत्नियाँ और तुम्हारी सीता जिनमें स्त्री पात्र अपना अपने अंदर कितनी कहानियाँ रखती दिखाई देती हैं। जिनमें कहीं-कहीं वह वह अपने सवाल अधिक मुखर हो कर समाज से करती हैं तो कहीं मन मसोस कर स्वयं को ही समझाने लगती हैं।

इस संग्रह में 'खुदमुख्तार औरत' जैसी अनेक कवितायें हैं जो अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं करती। इसी कविता की अंतिम पंक्ति देखिए-

जो न देखी जाती हो आपसे यह खुदमुख्तार औरत
तो निगाहें फेर लिया कीजिए।

समाज द्वारा तय मानकों को ठेंगा दिखाकर अपनी राह बनाती एक लड़की पर लिखी कविता है ङ्क बदनाम लड़कियाँ। यह कविता एक जागृत लड़की की कविता है। ठीक वैसे ही जैसे - माया एंजलो कहती हैं कि 'जब भी कोई स्त्री अपने लिए खड़ी होती है तो वह अन्य सभी स्त्रियों के लिए रास्ता बनाती है' ये नए रास्ते बनाना पितृसत्ता को चुनौती देना लगता है। जबकि लड़की अपने हिस्से के सपने खुद बुन रही होती हैं। 'मेरे घर की औरतें' शीर्षक से बहन, मासी, बुआ, नानी, मामी, चाची पर लिखी कविताएँ हैं जिन्हें पढ़कर लगता है कि नानी से बहन के बीच की पीढ़ी में कुछ भी तो नहीं बदला, बदला

इस कविता संग्रह में कुल 65 कविताएँ हैं। जिनमें अधिकांश कविताएँ स्त्री केन्द्रित हैं। देवयानी की कविताओं की स्त्री सजग है, खुद्दार है। वह समाज के सामने सवाल मुखरता से करती दिखाई दे रही है। ऐसी ही कविताएँ हैं ङ्क औरतें सपने नहीं देखा करतीं, एक बुढ़िया आवारा हो गई, मम्मियाँ, दादियाँ, पत्नियाँ और तुम्हारी सीता जिनमें स्त्री पात्र अपना अपने अंदर कितनी कहानियाँ रखती दिखाई देती हैं। जिनमें कहीं ङ्क कहीं वह वह अपने सवाल अधिक मुखर हो कर समाज से करती हैं तो कहीं मन मसोस कर स्वयं को ही समझाने लगती हैं।

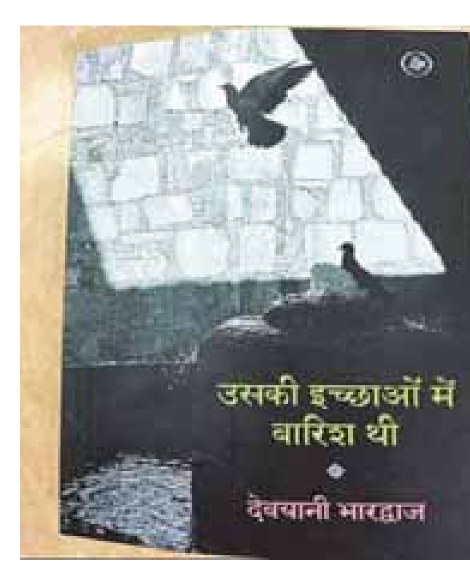

हुआ जो दिखता है वह चेहरा है जिसे खुरचकर देखोगे तो पीछे वही पुराना चेहरा दिखाई देगा। 'पूर्वोत्तर की लड़कियाँ' मीराबाई चानू पर लिखी शानदार कविता है जिसने अपने सपने आसमान में टाँक दिए हैं और एक हम हैं कि उसे काटने की कोशिश करते जाते हैं लेकिन काट नहीं पाते बल्कि अपने चाकू होने का पता देते हैं। 'पूरी नहीं हुई' और 'भाषा ने मनुष्य को कहना नहीं छुपना सिखाया है' कविताओं में स्त्री का कितना कुछ अनकहा बचा है। सही ही तो है सबका-सब हम कहाँ कह पाते हैं? बहुत कहने पर भी अनकहा बचा रहता है। शब्दों और कहने की भी कितनी सीमाएँ होती हैं।

कविता संग्रह का मूल्य 250 रुपए है। यह कहा जा सकता है कि देवयानी की सभी कविताएँ पठनीय हैं और हर एक कविता को पढ़कर आप ठिठकते जाते हैं।

जहां माया सभ्यता का पक्षी चहचहाता है

हमारी दुनिया

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं!

पिछले दिनों हमने इंडोट्रेकर यूट्यूब चैनल के कैलाश मीणा के साथ मेक्सिको के इन क्षेत्रों की आभासी यात्रा की और चिचेन इत्ज़ा को नजदीक से देखा समझा। एल कास्टिलो (कुल्कुलकन का पिरामिड) चिचेन इत्ज़ा की सबसे प्रसिद्ध संरचना है। यह एक विशाल सीढ़ीदार पिरामिड है जो माया सभ्यता के देवता 'कुल्कुलकन' (पंखों वाले सांप) को समर्पित है। यह स्थापत्य गणित के एक चमत्कार जैसा है। पिरामिड के चारों तरफ 91 सीढ़ियाँ हैं। अगर हम चारों तरफ की सीढ़ियों को जोड़ें और ऊपर के चबूतरे को मिलाएँ, तो कुल 365 का योग होता है। जो एक सौर वर्ष के बराबर हो जाता है। हर साल वसंत (मार्च) और शरद (सितंबर) के दौरान, डूबते सूरज की रोशनी पिरामिड की सीढ़ियों पर एक ऐसी छाया बनाती है जो नीचे की ओर रेंगते हुए सांप जैसी दिखती है। यह अद्भुत छाया का खेल (इक्विनोक्स) माया लोगों के सटीक खगोल विज्ञान का प्रमाण है।

वर्ष 2007 में जब आधुनिक विश्व के 7 अजूबे चुने गए, उनमें चीन की महान दीवार, पेट्रा (जॉर्डन), कोलोसियम (इटली), चिचेन इत्ज़ा (मेक्सिको), माचू पिचू (पेरू), ताजमहल (भारत) और क्राइस्ट द रिडीमर (ब्राजील) शामिल किया गया। ये अद्भुत संरचनाएं मानव कला और इतिहास का समुचित प्रतिनिधित्व करती हैं।

दुनिया घूमने निकले हर घुमक्कड़ की यह ख्वाहिश होती है कि वह इन अद्भुत स्थलों और धरोहरों की सैर करके कीर्तिमान बनाए और गौरवान्वित हो सके। हमने भी दुनिया की आभासी सैर के क्रम में कई ट्रेवलरों के वीडियोस में इन स्थलों के नजारे देखे हैं और उन संरचनाओं के इतिहास, समाज और इनके पीछे के विज्ञान को समझने की कोशिश की है।

पिछले दिनों हमने इंडोट्रेकर यूट्यूब चैनल के कैलाश मीणा के साथ मेक्सिको के इन क्षेत्रों की आभासी यात्रा की और चिचेन इत्ज़ा को नजदीक से देखा समझा। एल कास्टिलो (कुल्कुलकन का पिरामिड) चिचेन इत्ज़ा की सबसे प्रसिद्ध संरचना है। यह एक विशाल सीढ़ीदार पिरामिड है जो माया सभ्यता के देवता 'कुल्कुलकन' (पंखों वाले सांप) को समर्पित है। यह स्थापत्य गणित के एक चमत्कार जैसा है। पिरामिड के चारों तरफ 91 सीढ़ियाँ हैं। अगर हम चारों तरफ की सीढ़ियों को जोड़ें और ऊपर के चबूतरे को मिलाएँ, तो कुल 365 का योग होता है। जो एक सौर वर्ष के बराबर हो जाता है। हर साल वसंत (मार्च) और शरद (सितंबर) के दौरान, डूबते सूरज की रोशनी पिरामिड की सीढ़ियों पर एक ऐसी छाया बनाती है जो नीचे की ओर रेंगते हुए सांप जैसी दिखती है। यह अद्भुत छाया का खेल (इक्विनोक्स) माया लोगों के सटीक खगोल विज्ञान का प्रमाण है।

सबसे मजेदार बात हमने यह देखी कि चिचेन इत्ज़ा के कुकुलकन पिरामिड (El Castillo) के सामने खड़े होकर ताली बजाने पर 'क्विज़टल' पक्षी जैसी चहचहाहट की आवाज आती है। इसके पीछे का वैज्ञानिक कारण समझने पर पता चलता है कि ध्वनि विवर्तन और प्रतिध्वनि (ईको) के कारण ऐसा होता है। पिरामिड की 91 सीढ़ियों की ज्यामिति के कारण ताली की ध्वनि अलग-अलग समय पर परावर्तित होकर एक उच्च-आवृत्ति चहचहाहट में बदल जाती है। दरअसल, पिरामिड की सीढ़ियाँ एक विवर्तन ग्रेटिंग की तरह काम करती हैं, जो ध्वनि तरंगों को फैलाती हैं, जब ताली बजाई जाती है, तो ध्वनि की लहरें हर सीढ़ी से टकराकर वापस आती हैं। चूँकि सीढ़ियाँ नीचे से ऊपर की ओर समान दूरी पर हैं, इसलिए ध्वनि तरंगों को वापस लौटने में थोड़ा अलग समय लगता है, जिससे यह एक चहचहाहट की तरह सुनाई देती है। यह गूंज माया सभ्यता के पवित्र 'क्विज़टल' पक्षी की आवाज से मिलती-जुलती है, जो शायद माया इंजीनियरों द्वारा जानबूझकर बनाई गई थी। यद्यपि पर्यटकों को सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर जाने की इजाजत नहीं है लेकिन बताया जाता है कि सीढ़ियों पर चढ़ने से होने वाली आवाज पानी से भरी बाल्टी में बारिश की बूंदें गिरने जैसी सुनाई देती है। यह कोई जादुई घटना नहीं, बल्कि प्राचीन माया सभ्यता की उन्नत इंजीनियरिंग और ध्वनि विज्ञान का एक अद्भुत उदाहरण है।

माया सभ्यता केवल एक साम्राज्य नहीं थी, बल्कि स्वतंत्र नगर-राज्यों का एक समूह थी जो मुख्य रूप से दक्षिणी मेक्सिको, ग्वाटेमाला और बेलीज के क्षेत्रों में फैली हुई थी। सभ्यता के स्वर्ण युग (250 ईस्वी - 900 ईस्वी) के दौरान माया लोगों ने गणित, खगोल विज्ञान और वास्तुकला में महारत हासिल कर ली थी । कहा जाता है कि अंक गणित में शून्य का आविष्कार भारत में हुआ, 5 वीं शताब्दी में महान भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट ने इसका उपयोग किया और 7 वीं शताब्दी में ब्रह्मगुप्त ने इसे एक संख्या के रूप में परिभाषित किया। बाद में शून्य की अवधारणा भारत से अरब और फिर यूरोप तक फैलती गई। माया सभ्यता ने भी स्वतंत्र रूप से शून्य को एक स्थान-धारक (प्लेस होल्डर) के रूप में प्रयोग किया था, लेकिन उनका उपयोग मुख्य रूप से कैलेंडर और ज्योतिष के लिए था, न कि आधुनिक अंकगणित के लिए। माया लोगों ने इस पर आधारित एक सटीक कैलेंडर भी बनाया। 10 वीं शताब्दी के आसपास, माया लोगों ने अपने बड़े शहरों (जैसे टिकल और पलोंके) को छोड़ दिया। इसके पीछे सूखे, युद्ध या संसाधनों की कमी जैसे कारण माने जाते हैं। 16वीं शताब्दी में स्पेनिश आक्रमणकारियों के आने से मेक्सिको के इतिहास का रुख बदल गया, जिससे स्वदेशी और यूरोपीय संस्कृतियों का मिश्रण हुआ। माया लोगों की जीवनशैली प्रकृति और आध्यात्मिकता से गहराई से जुड़ी थी। मक्का उनकी जीवनरेखा थी। वे मानते थे कि देवताओं ने मनुष्य को मक्के से बनाया है। टॉरटिला, बीन्स, मिर्च और चॉकलेट (जिसे वे 'देवताओं का पेय' मानते थे) आज भी मेक्सिको के मुख्य भोजन हैं। माया लोग कुशल खगोलशास्त्री थे। उनके मंदिर और पिरामिड सितारों और ग्रहों की स्थिति के अनुसार बनाए गए थे। उनकी बुनाई की कला (हुईपिल), मिट्टी के बर्तन और पत्थर की नक्काशी आज भी मेक्सिको के बाजारों में खूब देखी जा सकती है।

पर्यटन की दृष्टि से, मेक्सिको 'टाइम ट्रैवल' जैसा अनुभव देता है। प्राचीन समय के जीवन दर्शन और इतिहास की खुशबू यहाँ महसूस की जा सकती है। चिचेन इत्ज़ा के पिरामिड के अलावा ग्रेट बॉल कोर्ट प्राचीन मेसोअमेरिका का सबसे बड़ा खेल का मैदान है। यहाँ 'पोक-ता-पोक' खेल खेला जाता था। आश्चर्य की बात यह है कि यहाँ की ध्वनिकी इतनी सटीक है कि कोर्ट के एक छोर पर की गई फुसफुसाहट दूसरे छोर पर साफ सुनी जा सकती है। एल काराकोल (निरीक्षण कक्ष), गोल गुंबद वाली वेधशाला है, माया खगोल शास्त्री यहाँ से शुक्र और चंद्रमा की गति पर नज़र रखते थे। योद्धाओं का मंदिर (टेंपल ऑफ वारियर्स) में सैकड़ों स्तंभ हैं जिन पर योद्धाओं की नक्काशी की गई है। पवित्र सेनोट, चिचेन इत्ज़ा के पास एक विशाल प्राकृतिक चूना पत्थर का जलकुंड है। माया लोग इसे वर्षा के देवता 'चाक' का निवास स्थान मानते थे। सूखे के समय यहाँ देवताओं को खुश करने के लिए कीमती वस्तुओं (सोना, जेड) और कभी-कभी प्राणियों की बलि भी भेंट दी जाती थी।

मेक्सिको का इतिहास और माया सभ्यता दुनिया की सबसे समृद्ध और रहस्यमयी विरासतों में से एक है। यह केवल प्राचीन खंडहरों के बारे में नहीं है, बल्कि एक जीवित संस्कृति है जो आज भी आधुनिक मेक्सिको की धड़कन में महसूस की जा सकती है।

धार जिले के सिरसोदिया में 'मुख्यमंत्री कन्यादान योजना' के तहत 400 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

बेटियों के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने नव-दंपत्तियों पर पुष्पवर्षा कर दिया आशीर्वाद

धार। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण और उनके उज्जवल भविष्य के लिए पूरी तरह संकल्पित है। सामूहिक विवाह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल और सहयोग के जीवंत प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर धार जिले के ग्राम सिरसोदिया में मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सांस्कृतिक महत्व और सामाजिक आधार....

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार जिले की यह पावन धरा भगवान श्री कृष्ण एवं माता रुक्मणी की ऐतिहासिक स्मृतियों से जुड़ी है, जिससे इस मांगलिक आयोजन का महत्व और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विवाह हमारी गौरवशाली संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी और समाज का आधार है। प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ एक सच्चे मित्र की तरह हमेशा खड़ी है।

अभिभावक के रूप में निभाई भूमिका...

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं अभिभावक का दायित्व निभाते हुए सभी 400 नव-विवाहित जोड़ों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें सुखद एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बेटियों के विवाह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ। भारतीय संस्कृति में विवाह एक श्रेष्ठ और पवित्र संस्कार है यह 16 संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण है जिसे पाणिग्रहण संस्कारभी कहा जाता है। सरकार की इस योजना के माध्यम से उन सभी गरीब अभिभावकों की इस चिंता को खत्म किया है।जिससे वे बेटियों की शादी को बोझ नहीं वरदान समझे। इस योजना के माध्यम से गरीब, जरूरतमंद, निराश्रित परिवारों को उनकी बेटियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता की जाती है। नवविवाहित जोड़ों को 49 हजार रूपए की राशि का अर्थिक सहयोग दिया जाता है।

समारोह में गरिमामयी उपस्थिति..

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री कालुसिंह ठाकुर, प्रभारी कलेक्टर श्री अभिषेक चौधरी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि,वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोहनखेड़ा महातीर्थ में आदिराज पारणा महोत्सव में की सहभागिता

पारणोत्सव में मुख्यमंत्री का उपवास, संस्कार और सेवा का संगम का संदेश

धार। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक योनियों के पश्चात मानव शरीर की प्राप्ति होती है, जो पंचतत्वों से निर्मित है। इस शरीर को संस्कारित करने के लिए उपवास एक श्रेष्ठ माध्यम है।

आज अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर पारणोत्सव के माध्यम से इस जीवन को पुण्य संचयन से जोड़ने का यह अवसर अत्यंत पावन और कल्याणकारी है। ऐसे उत्सवों में सहभागिता से मानव जीवन धन्य हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मोहनखेड़ा महातीर्थ में आयोजित आदिराज पारणा महोत्सव (वर्षीतप पारणा महोत्सव) में यह बात कही। आदिराज पारणा महोत्सव (वर्षीतप पारणा महोत्सव) का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान 550 से अधिक तपस्वियों का पारणा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर विधिवत संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि जैसे चराचर जगत में सूर्य ऊर्जा का संचार करता है, उसी प्रकार मानव जीवन में गुरुदेव सूर्य के समान मार्गदर्शक होते हैं। जीवन में अनेक प्रकार के भटकाव आते हैं, किन्तु अच्छे और बुरे का अंतर समझाने का कार्य गुरुदेव ही करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुदेव आचार्य श्री राजेन्द्र सूरी जी महाराज के आशीर्वाद से ही सरकार भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के संवर्धन के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मानव अपने संस्कारों को न भूले और आदिकाल से चली आ रही सनातन संस्कृति से जुड़ा रहे। जीवन में पाने से अधिक आनंद देने में है, इसी उद्देश्य के साथ सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनजातीय अंचल में गुरुदेव के आगमन से नई चेतना का संचार हो रहा है। गुरुदेव के इंदौर में चातुर्मास आगमन पर राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही, उनके आशीर्वाद से शासन के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन स्तर पर सामाजिक चेतना के विकास हेतु अनेक कार्य किए जा रहे हैं। गौशालाओं में प्रति गाय अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये की गई है। दुग्ध उत्पादन और प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। गरीबों के जीवन स्तर में सुधार और उनके उत्थान के लिए सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है। गच्छाधिपति पूज्य श्रीमद विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब मानव के मन में धर्म का अंश जागृत होता है, तभी वह इस प्रकार के पुण्य आयोजनों में सहभागी बनता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रदेश सेवा के लक्ष्य को लेकर निरंतर आगे बढ़ें, उनका आशीर्वाद सदैव साथ है।

इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विरासत के गौरव को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ किसान, महिला, युवा और गरीब वर्ग के कल्याण हेतु सतत कार्य कर रही है।

मोहनखेड़ा महातीर्थ में किए दर्शन..

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रसिद्ध मोहनखेड़ा महातीर्थ में पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन कर दर्शन किए।

आदिराज पारणा महोत्सव

आदिराज पारणा महोत्सव जैन धर्म का एक प्रमुख एवं पवित्र आध्यात्मिक आयोजन है, जो प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) की तपस्या की स्मृति में मनाया जाता है। जैन परंपरा के अनुसार, भगवान ऋषभदेव ने 400 दिनों की कठोर वर्षीतप साधना पूर्ण करने के उपरांत अक्षय तृतीया के दिन हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस कुमार के हाथों गन्ने के रस (इक्षुरस) से पारणा किया था। इसी ऐतिहासिक और धार्मिक परंपरा के निर्वहन में प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया के अवसर पर वर्षीतप करने वाले तपस्वियों का पारणा कराया जाता है, जो आत्मसंयम, त्याग और तपस्या की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया, ट्रस्ट अध्यक्ष सूर्य प्रकाश भंडारी, जैन संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश तांतेड, जैन संघ के प्रमुख महेंद्र व्होरा, ट्रस्ट सचिव मुकेश जैन, नवयुवक परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश छाजेड़ उपस्थित रहे।

भोपाल तमिल संगम ने नव वर्ष

समारोह के साथ रचा इतिहास

भोपाल। मध्य भारत में तमिल समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मील का पत्थर स्थापित करते हुए भोपाल तमिल संगम (बीटीएस) ने रविवार को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल के परिसर में अपने वार्षिक तमिल नव वर्ष समारोह के साथ-साथ प्रथम 'बीटीएस तमिल एक्सीलेंस अवार्ड्स' का अत्यंत सफल और भव्य आयोजन किया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के कोने-कोने से आए गणमान्य अतिथियों, प्रख्यात शिक्षाविदों, अनुभवी पेशेवरों, सांस्कृतिक जगत के नेताओं और सैकड़ों तमिल परिवारों की गरिमामयी उपस्थिति ने इसे वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक सांस्कृतिक आयोजनों में शामिल कर दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष पी. राजू ने कहा कि यह अवसर पूरे समुदाय के लिए गर्व और आत्म-सम्मान का प्रतीक बन गया है। महासचिव ए. स्वामी दुरई ने कहा कि आज मिली जबरदस्त जन-प्रतिक्रिया और सक्रिय भागीदारी हमारी एकता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को मजबूत

करती है। कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. आर. इलान्चेझियन, थिरु सुरेश, थिरु शिवशंकरमूर्ति, डॉ. पी. नागराज, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संजय जैन और विजय सिंह कठैत शामिल थे। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बीटीएस तमिल एक्सीलेंस अवार्ड्स रहा, जिसमें छात्र श्रेणी में ई. दयालिनी, आर. सौम्या, आर. वंशिका, आर. धनलक्ष्मी, एस. शिवानी, अक्षयवेल, मधुरा वेंकटेश और लिथिका साई नागराजन को सम्मानित किया गया। अन्य श्रेणियों में डॉ. रवींद्र प्रशांत, डॉ. शशिकला, थिरु एम. मारिमुथु राजू, थिरु श्रीनिवासन, थिरु एस. भास्करन, थिरु डी. पुगाझेंधी और थिरु संजीव मुदलियार को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में श्रीमती रेवती विनोद, श्रीमती एम. लावण्य और कुमारी आर. राजलक्ष्मी को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इसके पश्चात आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दियाद्य , जिसमें शास्त्रीय भरतनाट्यम, कर्नाटक संगीत, भक्ति प्रस्तुतियाँ और जीवंत लोक नृत्यों का शानदार प्रदर्शन हुआ।

उप मुख्यमंत्री ने स्वयं अपना स्वगणना फॉर्म भरा

उप मुख्यमंत्री ने जनगणना के लिए भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गयी डिजिटल सुविधा का लाभ लेने की नागरिकों से की अपील

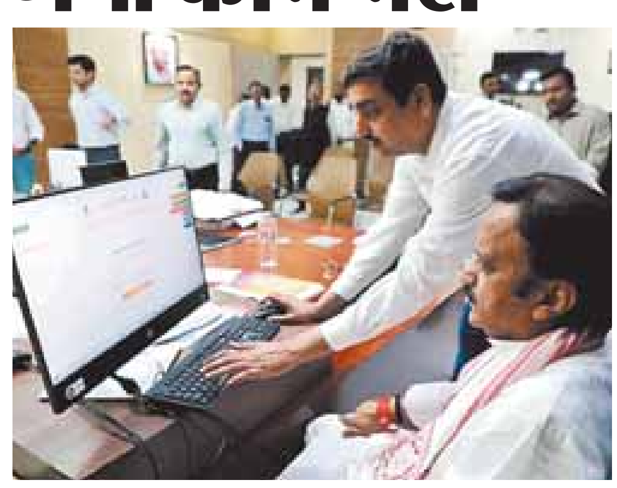

भोपाल । जनगणनाः 2027 अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को बढ़ावा देते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने स्वयं कंप्यूटर के माध्यम से रीवा में स्व-गणना फॉर्म भरकर नागरिकों को प्रेरित किया और यह संदेश दिया कि यह प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं सहज है। उप मुख्यमंत्री ने समस्त नागरिकों से इस डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई यह आधुनिक डिजिटल सुविधा नागरिकों को घर बैठे सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक तरीके से जनगणना में भाग लेने का अवसर प्रदान करती है। कोई भी नागरिक पोर्टल पर लॉगिन कर कुछ आसान प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकता है। उप मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्व-गणना सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और जनगणना कार्य को सफल बनाने में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। सभी स्व-गणना करें और सशक्त, पारदर्शी एवं डेटा-संपन्न भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य एक मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इसके पूर्व 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना हेतु पोर्टल पर विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इस अवधि में नागरिक अपनी स्व-गणना समय रहते पूर्ण कर सकते हैं, जिससे आगामी प्रक्रिया और अधिक सुगम हो सके। इससे नागरिकों को घर, कार्यालय अथवा किसी भी स्थान से मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से सुरक्षित रूप से जानकारी दर्ज करने की सुविधा मिलती है। यह न केवल समय की बचत करता है, बल्कि डेटा संग्रहण को अधिक सटीक एवं प्रभावी भी बनाता है। जनगणना-2027 में पहली बार नागरिकों को स्व-गणना का विकल्प प्रदान किया गया है, जो एक आधुनिक, तकनीकी रूप से सशक्त एवं समावेशी प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे नागरिकों की भागीदारी बढ़ेगी और देश के विकास के लिए आवश्यक आंकड़ों का संकलन अधिक सुगमता से किया जा सकेगा।

जनगणना का द्वितीय चरण, जिसमें जनसंख्या गणना की जाएगी, फरवरी 2027 में पूरे देश में संपन्न होगा। इस दृष्टि से वर्तमान स्व-गणना प्रक्रिया नागरिकों को प्रारंभिक चरण में ही जुड़ने और अपनी जिम्मेदारी निभाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा, जिला प्रभारी जनगणना अधिकारी शशिकांत शुक्ला उपस्थित रहे।

रानी पिपरिया के मोड़ पर भतीजी की लगुन ले जाते समय ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

सोहागपुर । सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय के आसपास बने राज्य मार्ग पिपरिया नर्मदापुरम के रास्ते लांगाबम्होरी, करनपुर,रानी पिपरिया आदि में बने बिलेक स्पाटों पर आए दिन दुर्घटनाओं में नागरिक असमय ही मौत के काल में समा जाते हैं।

इसी संदर्भ को लेकर तत्कालीन कलेक्टर सोनिया मीना ने लोक निर्माण विभाग को प्राथमिकता के रूप में हटाकर नागरिकों को राहत देने के निर्देश दिए थे। लेकिन लोक निर्माण विभाग केज़िले में अधिकारियों ने उसे धरातल पर नहीं उतारा गया । इससे अंदाजा लगाया जा सकता है ।कि जिला मुख्यालय पर कैसे कैसे अधिकारी कुर्सियों पर विराजमान हैं। क्योंकि वरिष्ठ अधिकारी तो चाहते है कि जनता-जनार्दन को राहत मिले। लेकिन अधिकारीगण वरिष्ठ अधिकारियों की मंशा को भी नजर अंदाज कर देते हैं।अब देखना होगा कि नवांगतुक कलेक्टर सोमेश मिश्रा नर्मदापुरम पिपरिया मार्ग के बिलेक स्पाटों को हटाने के कारगर कदम उठाएंगे ऐसी आशा है। उल्लेखनीय है सोहागपुर के समीपवर्ती ग्राम लांगाबम्होरी के 90 कोण के अंधे मोड़ पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रही है। वहीं करीबन 15 बीस साल पूर्व एक बस दुर्घटनाग्रत हो गई थी। जिसमें करीबन बीस बस यात्री काल कवलित हो गए थे।उस समय जनप्रतिनिधियों ने जनता को आश्वस्त किया था कि शीघ्र ही इस अंधे मोड़ को ठीक करा दिया जाएगा। लेकिन जनता-जनार्दन सभी अंधे दुर्घटनाओं रास्तों को ठीक कराने की राह देख रही है।हाल की घटना में सोहागपुर पुलिस थाने में सूचनाकर्ता राजकुमार पिता रमेश कीर निवासी तमचरू थाना माखननगर ने इस आशय की सूचना दी कि वह क्षेत्रीय बैंक की गाड़ी चलाता है । तीन बहन दो भाई हैं ।दिनांक 17. 4 .2026 को अपने घर से पिपरिया अपनी भतीजी की लगुन लेकर अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल एम पी 05 जेड सी 9974 से जा रहे थे। मोटरसाइकिल जीजा दिलीप कीर चला रहा था । बीच में बैठा था एवं पीछे सतीश कीर बैठे थे।लगभग 8 बजे के बीच रानी पिपरिया शोभापुर के बीच पहुंचे ।तभी रानी पिपरिया तरफ से अज्ञात ट्रक के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाते हुए आकर मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी । जिससे हम तीनों मोटरसाइकिल से सड़क पर गिर गए। राजकुमार एवं सतीश को चोटें आई। दिलीप पिता दीनदयाल कीर उम्र 30 वर्ष निवासी बुधनी जिला सीहोर को ट्रक की टक्कर लगने से आई चोटों से उसकी मृत्यु हो गई । पुलिस ने मर्ग कायम पर जांच में लिया गया है। सोहागपुर पुलिस ने नागरिकों को आगाह किया है कि वर्तमान में शादी विवाह का सीजन प्रारंभ होने के कारण शाम के समय थाना क्षेत्रों की रोडों पर यातायात की अधिकता हो गई है।

जयकारों से गूंजी धार नगरीः हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्री परशुराम जन्मोत्सव

धार । भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव के अवसर पर आज समूची धार नगरी भक्ति के रंग में डूबी नजर आई। सुबह के अभिषेक से लेकर देर शाम तक निकले चल समारोह तक, ब्राह्मण समाज सहित सर्वसमाज में भारी सहित सर्वसमाज में भारी उत्साह देखा गया। सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा धारेश्वर मंदिर में भगवान परशुराम प्रतिमा के समक्ष बड़ी संख्या में ब्राह्मण जोड़ो द्वारा रुद्राभिषेक किया । उपस्थित कर्मकांडी विद्वान ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक प्रारंभ किया तो पूरा मंदिर प्रांगण मंत्रो से गुंजायमान हो गया । मंत्रोच्चार की गूँज के बीच समाजजनों ने विश्व कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की व महाआरती का आयोजन कर प्रसादी व फलाहार का वितरण किया गया किया । रुद्राभिषेक के दौरान सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पंडित विश्वास पांडे कार्यकारी अध्यक्ष पंडित धर्मेंद्र जोशी, ऋषि भार्गव, गोटू शुक्ला, प्रवीण शर्मा, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, डॉ प्रदीप रावत,श्रीकांत द्विवेदी,जितेंद्र पांडिया, तरुण जोशी, संजय शर्मा, ममता जोशी,मीना दुबे,,रीता घोड़गांवकर, अवंती शर्मा, अभिषेक चतुर्वेदी, राजा शर्मा, वरदान तिवारी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी देते हुए सर्व ब्राह्मण समाज के जिला मीडिया प्रभारी पं. ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने देते हुए बताया कि वही वसंत विहार स्थित परशुराम मंदिर में सर्व ब्राह्मण समाज एवं कॉलोनी वासियों द्वारा परशुराम जयंती के उपलक्ष में दोपहर 12 बजे महाआरती का आयोजन किया गया जिसे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया जिससे मंदिर परिसर जय परशुराम के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। आरती के पश्चात प्रसादी का वितरण भी किया गया।

● आकर्षक रथ के साथ निकाली भव्य शोभा यात्रा

परशुराम जन्मोत्सव के तहत सर्व ब्राह्मण समाज भव्य व आकर्षक शोभायात्रा शहर के प्रमुख भागों से निकाली गई। शोभा यात्रा के प्रारंभ में धारेश्वर मंदिर मंदिर प्रांगण में सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पंडित विश्वास पांडे,कार्यकारी अध्यक्ष पंडित धर्मेंद्र जोशी, शोभायात्रा प्रभारी,ऋषि भार्गव, उपाध्यक्ष गोटू शुक्ला, सचिव प्रवीण शर्मा, वरिष्ठ मार्गदर्शक ज्ञानेंद्र त्रिपाठी,आदि महा आरती में शामिल हुए। धारेश्वर मंदिर प्रांगण से शोभा यात्रा शनिगली, जवाहर मार्ग, धान मंडी चौराहा होते हुए लालबाग परिसर में संपन्न हुई जिसमें बड़ी संख्या में समाज बंधु शामिल हुए। शोभा यात्रा पश्चात महा आरती एवं भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। शोभायात्रा मे भगवान परशुराम का रथ आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। शोभायात्रा मे ब्राह्मण समाज के पुरुष एवं महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए।संपूर्ण शोभायात्रा मार्ग पर अनेक मंचों से पुष्प वर्षा कर जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सर्व ब्राह्मण समाज जिला अध्यक्ष विश्वास पांडे, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी सहित ,प्रवीण शर्मा, गोटू शुक्ला, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रेम रावल, श्रीकांत द्विवेदी, एन.एम.शर्मा, गोपाल शर्मा,ब्रजकिशोर बोड़ा, संजय बाजपेई, जयप्रकाश त्रिपाठी,अमित मंडलोई, राजेश शर्मा, पिंटू रावल,पुनीत तिवारी, जितेंद्र पंडिया, देवेंद्र रावल, विजय दवे, राजा शर्मा,धर्मेंद्र शर्मा, नमन रावल,अभिषेक चतुर्वेदी, चेतन शर्मा, सूर्या दुबे, तरुण जोशी, मंगेश शर्मा,संजय बाजपेई , मनीष तिवारी ,राजेश जोशी,सुनील तिवारी, चैतन्य त्रिपाठी, प्रणय तिवारी,ममता जोशी,मीना दुबे,प्रतिभा शर्मा, सोनाली दुबे, मोनिका शर्मा, जागृति शर्मा,रीता घोड़गांवकर, श्रद्धा पांडे, अवंती शर्मा अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

डाटा संकलन, फील्ड की चुनौतियां

समाधान का प्रारूप था जनगणना का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

सोहागपुर। जनगणना कार्य के सफल एवं प्रभावी संचालन में डाटा संकलन फील्ड की चुनौतियां समाधान के प्रारूप के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंट पैट्रिक स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी रामकिशोर झड़बड़े के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर तहसीलदार आर एस झरबड़े ने बताया कि इस जनगणना प्रशिक्षण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण के प्रथम बैच में 21 सुपरवाइजरों एवं 125 प्रगणकों ने भाग लेकर आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के अवसर पर प्रतिभागियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया, मोबाइल ऐप के माध्यम से डाटा संकलन, जनगणना संबंधी नियम एवं फील्ड में आने वाली संभावित चुनौतियों के समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में फील्ड ट्रेनर के राकेश रघुवंशी, रामकिशोर दुबे,

जितेंद्र तिवारी, राहुल तिवारी, विपिन गिल्ला एवं विजेंद्र वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर जनगणना में आने वाली समस्याओं पर सारगर्भित उद्बोधन देकर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।इसके अलावा जनगणना टीम के अमितकुमार मिश्रा, संदीप कुशवाहा, उमेश रघुवंशी एवं अविनाश डोंगरे ने उल्लेखनीय सहयोग दिया। इसी क्रम में प्रशिक्षण के अवसर पर प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से फील्ड विजिट भी कराई गई। जिससे उनको वास्तविक परिस्थितियों में जनगणना करने की विकसित समझ हो सके। इसी अवसर पर तहसीलदार आर एस झरबड़े ने सभी प्रतिभागियों को सेवा भाव प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई । जिसमें प्रत्येक नागरिक की जानकारी को गोपनीय रखने, जनगणना कार्य को ईमानदारी, निष्ठा एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ संपन्न करने का संकल्प लिया गया।प्रशासन ने आशा व्यक्त की है कि प्रशिक्षित कार्मिक जनगणना कार्य को पूरी जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ संपन्न कराएंगे।

संक्षिप्त समाचार

इछावर में शिविर लगाकर 82 दिव्यांगजनों को ऑन द स्पॉट प्रदान किए गए सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग

सीहोर (निप्र)। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा एडिप योजना के अंतर्गत इछावर जनपद कार्यालय में सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में दिव्यांगजनों का चिन्हांकन कर ऑन द स्पॉट 82 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। शिविर में 12 दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड भी बनाए गए। इस अवसर पर श्री शंकर जयसवाल, जनपद सीईओ सुश्री रूषाली पोरस, श्रीमती अंकिता ठाकुर सहित डीडीआरसी के कर्मचारी उपस्थित थे।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 718 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 15 अप्रैल को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 515 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 203 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 112 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सीहोर के गल्ला मंडी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर संजीवनी क्लिनिक पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण और बीपी-शुगर की जांच की गई।

माँ की पुकार पर प्रशासन संवेदनशील: कलेक्टर ने बच्ची के इलाज हेतु दी त्वरित आर्थिक सहायता

नर्मदापुरम (निप्र)। जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 13 वर्षीय बच्ची के इलाज के लिए उसकी मां द्वारा सहायता की गुहार लगाए जाने पर जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित मदद प्रदान की है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने पीड़ित परिवार को तत्काल 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम निवासी श्रीमती कोसर खान ने कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनकी 13 वर्षीय पुत्री जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित है, जिसका उपचार शासन की योजना के अंतर्गत मुंबई में कराया जाना है। उन्होंने आर्थिक तंगी का उल्लेख करते हुए यात्रा, ठहरने एवं भोजन आदि के लिए सहायता की आवश्यकता जताई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत करते हुए पीड़िता मां को चैक प्रदान किया। कलेक्टर द्वारा प्रदान की गई यह सहायता पीड़ित परिवार को राहत पहुंचाई है। पीड़िता के परिवार ने कलेक्टर श्री मिश्रा की संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि आगे भी उन्हें आवश्यक सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

सिविल अस्पताल आमला में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 795 मरीजों की हुई जांच

बैतूल (निप्र)। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से जिले में 20 स्वास्थ्य शिविर लगाने की प्राप्त स्वीकृति के परिपालन में 16 अप्रैल 2026 को सिविल अस्पताल आमला में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ आमला जनपद अध्यक्ष श्री गणेश यादव द्वारा किया गया। शिविर में सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े द्वारा स्वास्थ्य विभाग की हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि आगामी दिनों में सिविल अस्पताल आमला में और भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में जिला चिकित्सालय से विशेषज्ञ चिकित्सा दल द्वारा स्त्री रोग के 30, शिशु रोग 24, नाक-कान-गला रोग 25, नेत्र रोग 63, मनोरोग 4, एमडी मेडिसिन 71, दंत रोग 15, डिजिटल हेल्थ आईडी 19, आयुष्मान कार्ड 15, मलेरिया 4, टीबी 37, सिकल सेल स्क्रीनिंग 51, ब्लड जांच 68, एक्स-रे 27, आयुर्वेदिक 218 एवं अन्य 124 कुल 795 मरीजों की जांच एवं उपचार दिया गया। शिविर में जनपद सदस्य श्री सुखराम कुमरे, श्रीमती दयावंती खातरकर, श्रीमती सरिता, समाजसेवी श्री अशोक नागले, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक नरवरे, डीपीएम श्री विनोद शाक्य, अन्य चिकित्सक स्टाफ आमला, बीईई, बीसीएम, बीपीएम, सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, आशा सहयोगी, आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में 18 अप्रैल 2026 को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।

नर्मदापुरम जिले में ई-विकास पोर्टल नियम तोड़ने पर 10 लाइसेंस निलंबित

नर्मदापुरम (निप्र)। म.प्र. शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के बाद भी ई-विकास पोर्टल से उर्वरक विक्रय न करने वाले व्यापारियों पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नर्मदापुरम ने बताया कि जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही उर्वरक विक्रय करने के निर्देश दिए गए थे। 07 अप्रैल 2026 को 06 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किए गए तथा 11 विक्रेताओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। तथा 15 अप्रैल 2026 को बिना ई-टोकन के विक्रय करने पर 04 और विक्रेताओं मेसर्स अतुल ट्रेडर्स पिपरिया, मेसर्स माँ शारदा ट्रेडर्स पिपरिया, मेसर्स कृपालदास राधामल सोहागपुर एवं मेसर्स न्यू पवन एग्रो शुक्करवाड़ा माखननगर के लाइसेंस निलंबित किए गए। पीओएस व ई-विकास पोर्टल पर बिक्री में अंतर के कारण 11 विक्रेताओं मेसर्स हरिहर ट्रेडर्स बनखेड़ी, मेसर्स खण्डेलवाल कृषि सेवा केंद्र सेमरीहरचंद, मेसर्स किसान कृषि सेवा केंद्र सेमरीहरचंद, कृष्णा कृषि सेवा केंद्र सोहागपुर, मेसर्स माँ शारदा कृषि सेवा केंद्र सेमरीहरचंद, न्यू गाइड एग्रो मिसरोद, मेसर्स प्रदीप कुमार वर्मा माखननगर, मेसर्स तोमर एग्रो नर्मदापुरम, मेसर्स ठाकुर ट्रेडर्स सिवनीमालवा, मेसर्स विशाल कृषि सेवा केंद्र सिवनीमालवा एवं मेसर्स राज कृषि केंद्र बनखेड़ी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

घरेलू हिंसा से संबंधित कानून, दहेज अधिनियम और पीड़ित प्रतिकार योजना की दी जानकारी

नगर पालिका बाल मंदिर सभा कक्ष में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल (निप्र)। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार और महिलाओं के शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं नगर पालिका परिषद द्वारा संयुक्त रूप से नगर पालिका बाल मंदिर सभा कक्ष में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित स्वास्थ्य शिविर में बैतूल नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री महेश राठौर एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सोमनाथ राय ने अपनी जांच कराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वहीं सभी आम जनों की स्वास्थ्य जांच की जाकर आवश्यकतानुरूप काउंसलिंग की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सुविधाओं की दी जानकारी : जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सोमनाथ राय द्वारा शासन की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से आमजनों के लिए उपलब्ध महत्वपूर्ण सुविधाएं जैसे समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को निःशुल्क कानूनी सहायता, निःशुल्क वकील, विधिक परामर्श, और लोक अदालतों के माध्यम से मामलों का त्वरित निपटान की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित आमजन को घरेलू हिंसा से संबंधित कानून, दहेज अधिनियम 1961 और पीड़ित प्रतिकार योजना के बारे में विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया।

सर्वाइकल कैंसर से निपटने एचपीवी वैक्सीन की दी जानकारी

स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सा अधिकारी श्री रत्नेश खाड़े जी एवं एपीएम प्रकाश माकोड़े द्वारा एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम अंतर्गत एचपीवी वैक्सीन की निर्धारित टीकाकरण केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्धता की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदाय की। साथ ही एचपीवी वैक्सीन के विषय में विकसित देशों द्वारा व्यापक स्तर पर अपनाये जाने एवं सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने वाली इस वैक्सीन के महत्व के बारे में जानकारी देकर इसके बारे में फैली भ्रांति को दूर करने किया। वहीं परियोजना अधिकारी श्री निरंजन सिंह डोड़वे आईसीडीएस बैतूल शहर द्वारा 'बेटी है तो कल है तथा बेटी स्वस्थ है तो कल उज्ज्वल है' अवधारणा के साथ टीकाकरण के महत्व से आमजन को अवगत कराया गया। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य , गैर-संचारी रोगों (मधुमेह, उच्च रक्तचाप) की जांच एवं निःशुल्क दवाएं आदि सुविधाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं नगरपालिका परिषद बैतूल के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर हादसे में घायल मरीजों से किया संवाद

इलाज की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज शुक्रवार की प्रातः विदिशा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचकर यहां भर्ती 8 गंभीर मरीजों से संवाद कर इलाज की व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। उन्होंने यहां भर्ती सभी 8 मरीजों को चिकित्सीय सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी न होने पाए और समय पर सभी चिकित्सीय सुविधाएं मुहैया हों के प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल वार्ड में भर्ती सभी मरीजों के पास पहुंचकर उनसे संवाद किया और हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए ढांढस बंधाते हुए सभी मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा व्यक्त की। गौरतलब हो कि सिरोंज के ग्राम भटौली के पास गुरुवार शुक्रवार की दरमियानी रात सड़क हादसे में बस पलटने से हुए घायल सभी 8 मरीजों को अटल बिहारी वाजपेई शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) अस्पताल के थर्ड फ्लोर स्थित सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया जाकर उचित उपचार के प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे, मेडिकल कॉलेज प्रबंधन द्वारा गंभीर घायल मरीज को विशेष चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

ग्राम सर्रा में निजी कस्टम हायरिंग केन्द्र की स्थापना

बैतूल (निप्र)। मुलताई विकासखंड के ग्राम सर्रा में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और ग्रामीण रोजगार सृजन के उद्देश्य से निजी कस्टम हायरिंग केन्द्र की स्थापना की गई। आयोजित कार्यक्रम में कृषि अभियांत्रिकी विभाग बैतूल के सहायक कृषि यंत्री डॉ. प्रमोद कुमार मीणा एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मुलताई के शाखा प्रबंधक श्री अक्षय द्वारा हितग्राही श्री ओम सूर्यवंशी के निवास पर संयुक्त निरीक्षण कर केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस कस्टम हायरिंग केन्द्र के माध्यम से किसानों को ट्रैक्टर, प्लाउ, रोटावेटर, सीड कम फर्टिलाइज़र ड्रिल, रेज्ड बेड प्लांटर, मल्टीक्रॉप थ्रेशर, ट्रॉली, ट्रैक्टर रीपर, कल्टीवेटर एवं स्ट्रॉ रीपर जैसे आधुनिक कृषि यंत्र किराए पर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे खेती कार्य आसान और लागत कम होगी। सहायक कृषि यंत्री डॉ. प्रमोद कुमार मीणा ने बताया कि योजना के तहत हितग्राही को कुल लागत पर 40 प्रतिशत तक अधिकतम 10 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया जाता है। इच्छुक किसान कृषि अभियांत्रिकी विभाग की वेबसाइट पर आवेदन कर इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

ग्राम मनोरा में 'नरवाई न जलाएं' विषय पर चैपाल आयोजित, किसानों को दी जागरूकता

विदिशा (निप्र)। ग्यारसपुर विकासखंड के ग्राम मनोरा में आज नरवाई (फसल अवशेष) न जलाने के संबंध में एक जागरूकता चैपाल का आयोजन किया गया। चैपाल में किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले दुष्परिणामों तथा इसके वैकल्पिक उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नरवाई जलाने से भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है, साथ ही पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और जीव-जंतुओं को भी नुकसान पहुंचता है।

इसके अतिरिक्त यह आगजनी की घटनाओं का कारण बनकर आसपास की फसलों एवं संपत्ति को भी खतरे में डाल सकती है। चैपाल में किसानों को समझाइश दी गई कि वे नरवाई को जलाने के बजाय उसे खेत में ही प्रबंधन के माध्यम से उपयोग करें, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होगा और उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। साथ ही शासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे कृषि यंत्रों एवं योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। अधिकारियों ने किसानों को यह भी अवगत कराया कि नरवाई जलाना प्रतिबंधित है और ऐसा करने पर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। इसलिए सभी किसान नियमों का पालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। ग्रामीणों एवं किसानों ने चैपाल में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए आश्वासन दिया कि वे नरवाई नहीं जलाएंगे और अन्य किसानों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। यह चैपाल पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

जिला अस्पताल में मरीजों को विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं मिलें: कलेक्टर

आधूनिकतम मशीनों से बेहतर इलाज के प्रबन्ध हों

उपचार के लिये प्रतीक्षा का समय कम हो

ओपीडी के लिये ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था की जाए

परिसर में गंदगी फैलाने पर जुर्माना हो

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने कहा है कि जिला अस्पताल में मरीजों को विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर अस्पताल प्रबन्धन द्वारा विशेष ध्यान दियाजाए। नवीन अस्पताल भवन में चिकित्सा की आधूनिकतम मशीनों से बेहतर इलाज के प्रबन्ध हों। शुक्रवार को जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान श्री जैन ने कहा कि उपचार के लिये मरीजों को ज्यादा देर प्रतीक्षा न करना पड़े। अस्पताल की व्यवस्थाएं इस तरह की हों कि मरीजों को इंतजार किए बगैर शीघ्रता से वांछित उपचार मिल जाए। उन्होने कहा कि मरीज ओपीडी में ऑनलाइन बुकिंग कर सकें ऐसा सॉफ्टवेयर भी तैयार किया जाए। मरीजों से ओपीडी में लिये जाने वाला शुल्क क्यू आर कोड के माध्यम से जमा कराया जाए ताकि उनका समय बच सके। कलेक्टर ने समूचे अस्पताल परिसर में सीसीटीवी लगाकर गंदगी फैलाने वालों की निगरानी रखने के भी निर्देश दिये। उन्होने कहा कि गंदगी फैलाने अथवा गुटखा थूकने पर संबंधित से तत्काल जुर्माना वसूल किया जाए।

कलर कोडिंग से होगी वार्डो तक पहुँचने की व्यवस्था : कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल के विभिन्न स्थानों पर सुगमता से पहुँचने के लिये कलर कोडिंग से फुट स्टेप तैयार किये जाएं।

ऑपरेशन थियेटर, उपचार वार्डो अथवा प्रसाधन तक पहुँचने के लिये परिसर में अलग-अलग रंग के फुट स्टेप निर्धारित हों। कलेक्टर ने विभिन्न वार्डो में निरीक्षण के दौरान पुराने अस्पताल भवन में मरीजों के लिये प्राइवेट वार्ड तैयार करवाने के भी निर्देश दिये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह, एसडीएम हरदा श्री अशोक डेहरिया सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

ग्रामीणों ने डेढ़ कुंटल पॉलिथीन युक्त कचरे को एकत्रित कर जठान देव स्थल को किया स्वच्छ

बैतूल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में बड़ी संख्या में खेत तालाब, अमृत सरोवर, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सूखे कुँओं को नया जीवन देने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही नागरिकों को जल संरक्षण के लिये प्रेरित करने हेतु विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के जठान देव (देवना नदी) उद्गम स्थल पर विधिवत पूजन एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद घोड़ाडोंगरी की नवांकुर संस्था, एकता ग्रामीणजन सहयोग संस्था पाढर के स्वयंसेवकों ने मिलकर इस पवित्र स्थल की साफ-सफाई की। अभियान के दौरान लगभग डेढ़ कुंटल पॉलिथीन युक्त कचरा एकत्रित कर उसका समुचित निस्तारण किया गया।

नारी शक्ति का अभूतपूर्व उत्साह: बैतूल में भव्य पदयात्रा, बड़ी संख्या में महिलाओं ने की सहभागिता

बैतूल (निप्र)। नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत जिले में चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को 'नारी शक्ति वंदन पदयात्रा 'का ऐतिहासिक एवं भव्य आयोजन किया गया। यह पदयात्रा न्यू बैतूल हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड से प्रारंभ होकर शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में न्यू बैतूल हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड में आयोजित सभा में उपस्थित विशाल महिला समूह को विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगा सज्जन ऊईके, पूर्व विधायक श्रीमती सविता दीवान, पूर्व सांसद श्रीमती ज्योति धुर्वे, प्रमुख समाजसेविका डॉ. कृष्णा मौसिक, डॉ. सुजाता सिंह एवं श्रीमती तृप्ति बग्गा द्वारा संबोधित किया गया। वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के उद्देश्यों एवं नारी सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को जागरूक एवं संगठित रहने का संदेश दिया। सभा के पश्चात उपस्थित महिलाओं द्वारा मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया, जो कार्यक्रम का आकर्षक केंद्र रहा। इसके बाद महिलाओं ने कतारबद्ध होकर अनुशासित ढंग से पदयात्रा प्रारंभ की, जो शहर के मार्गों से होते हुए शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम पहुंची। पदयात्रा के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह एवं ऊर्जा देखने को मिली। 'नारी शक्ति' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा, जिससे आयोजन का भव्य स्वरूप और भी प्रभावी बन गया।

समापन स्थल पर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत आयोजित इस पदयात्रा में बैतूल की मातृशक्ति की उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायी सहभागिता देखने को मिली, जिसने समाज में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता, एकजुटता और सशक्त भूमिका को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया।

न्यू यश वेयर हाउस खामखेड़ा उपार्जन केंद्र पर किसानों के लिए वाटर कूलर की व्यवस्था

गर्मी में मिलेगी राहत

विदिशा (निप्र)। खामखेड़ा स्थित न्यू यश वेयर हाउस उपार्जन केंद्र पर किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ठंडे पेयजल के लिए वाटर कूलर की व्यवस्था की गई है। भीषण गर्मी के बीच उपार्जन केंद्र पर आने वाले किसानों को अब शीतल जल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा, जिससे उन्हें काफी राहत मिलेगी। उपार्जन केंद्र पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज लेकर पहुंचते हैं, जहां उन्हें लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। ऐसे में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक था। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन द्वारा वाटर कूलर स्थापित कर किसानों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

स्थानीय प्रशासन एवं केंद्र प्रबंधन ने बताया कि किसानों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए यह पहल की गई है। साथ ही केंद्र पर साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में ठंडे पानी की व्यवस्था उनके लिए बेहद उपयोगी है और इससे उपार्जन केंद्र पर उनका समय अधिक सहजता से व्यतीत हो सकेगा। यह प्रयास किसान हित में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने मेंडोरी और नीमखेड़ा में खेतों में पहुंचकर फसलों का किया पुन : सत्यापन

रायसेन (निप्र)। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु स्लॉट बुकिंग के दौरान कुछ किसानों को पोर्टल पर तकनीकी त्रुटि के कारण पुन : सत्यापन हेतु शेष दर्शाया जा रहा है। जिसके समाधान हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा एसडीएम और राजस्व अधिकारियों को यथाशीघ्र फसलों का पुन : सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए हैं जिससे कि स्लॉट बुकिंग में किसानों को असुविधा ना हो। शुक्रवार को कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा स्वयं रायसेन तहसील अंतर्गत मेंडोरी और नीमखेड़ा में खेतों में पहुंचकर फसल का पुन : सत्यापन किया गया। इस दौरान सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, एसडीएम श्री मनीष शर्मा तथा तहसीलदार श्री भरत सिंह मंडले भी साथ रहे।

नए सेक्टर भोपाल-चंदेरी-ओरछा हेलीकॉप्टर यात्रा का किया शुभारंभ

पीएमश्री हेली सेवा के रूप में ओरछा के लिए शुरू की गई पुष्पक विमान की व्यवस्था : सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा में राजा के रूप में विराजमान हैं भगवान श्रीराम, के दर्शन के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में ओरछा के लिए पुष्पक विमान की व्यवस्था की गई है। परशुराम जयंती के मंगल अवसर पर पर्यटन की दिशा में आज मध्यप्रदेश ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है। आज भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ हो रहा है। आज जिन दो शहरों के लिए सेवा की शुरुआत की गई है, दोनों ही प्रदेश के विरासत स्थल हैं। चंदेरी का संबंध भी श्रीराम और श्रीकृष्ण से ही है। चंदेरी, पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी के रूप में विख्यात है। मध्यप्रदेश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को राजधानी के स्टेट हैंगर से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के अंतर्गत नए सेक्टर भोपाल-चंदेरी-ओरछा का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए तथा हेलीकॉप्टर को झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रदेश में पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को सुगम, सुरक्षित और आनंददायक बनाना हेली पर्यटन सेवा का उद्देश्य है। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री तथा अशोकनगर के प्रभारी श्री राकेश शुक्ला, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय तथा फ्लाई ओला के श्री एस.राम ओला उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धा, साहस, पुरुषार्थ, पराक्रम, ज्ञानशीलता, दानशीलता और उद्दात चरित्र के धनी भगवान परशुराम ने सदैव अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। अपने साहस-पराक्रम और पुरुषार्थ के नए-नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले भगवान परशुराम जी हर युग में हम सबको प्रेरणा देते रहेंगे। ऐसे दिव्य व्यक्तित्व की जयंती पर प्रदेश को पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा समर्पित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों की सेवा के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। इलाज के लिए जरूरतमंद लोगों को पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश द्वारा ही आरंभ की गई है। मध्यप्रदेश का भौगोलिक क्षेत्र बहुत विस्तृत है, प्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक, वाइल्ड लाइफ, पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं विद्यमान हैं। प्रदेश में आवागमन की दृष्टि से हेली पर्यटन सेवा, पर्यटकों का समय बचाने और यात्रा की रोचकता को बढ़ाने में सहायक होगी। इससे प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा, इन गतिविधियों के प्रोत्साहन से प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों का भी स्वत-संचालन होता है और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। पर्यटन को प्रोत्साहित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में सभी ओर हवाई सेवाओं का विस्तार किया गया है। रेल, बस, सड़क के साथ जल यातायात पर भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और पर्यटन स्थलों तक आवागमन को सुगम बनाने के लिए मध्य प्रदेश पर्यटन को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि हेली पर्यटन सेवा सर्वप्रथम ओंकारेश्वर-महाकालेश्वर-इंदौर सेक्टर में और कान्हा-बांधवगढ़-मैहर की माताजी-अमरकंटक-चित्रकूट में आरंभ हुई। आज हेली सेवा का तीसरा सेक्टर आरंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के अंतर्गत चंदेरी से ओरछा का किराया 2,750 रुपए ,भोपाल से चंदेरी का 5,500 रुपये और भोपाल से ओरछा का किराया 6,500 रुपये रखा गया है। भोपाल से ओरछा का पैकेज 14 हजार 500 का है, जिसमें 13 हजार रुपये हेलीकॉप्टर का किराया, टैक्सी का शुल्क 1150 रुपए और दर्शन एवं प्रसाद के लिए 350 रुपए का भुगतान करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस यात्रा के संचालन में मैचिंग ग्रांट के अंतर्गत बड़ी राशि राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने, पर्यटकों की रुचि मध्यप्रदेश में बढ़ाने के उद्देश्य से मैचिंग ग्रांट के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल पीएमश्री पहली पर्यटन सेवा के नए सेक्टर भोपाल-चंदेरी-ओरछा के पहले यात्रियों श्री अबधेश प्रसाद शुक्ला, श्रीमती रेवती शुक्ला और श्री रमाशंकर शुक्ला को बोर्डिंग पास प्रदान किए। कार्यक्रम में बताया गया कि यात्रा के लिए 6 सीटों वाले आधुनिक हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है। पर्यटक और IRCTC पोर्टल पर बुकिंग कर सकते हैं। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रतीक चिन्ह भेंटकर अभिवादन किया गया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ 2028 में सनातन का वैभव दुनिया को दिखेगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने उज्जैन हेलीपैड विश्राम गृह का किया लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन सिंहस्थ-2028 में दुनिया हमारे सनातन के वैभव को देखेगी। हमारा प्रयास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ के विश्व स्तरीय आयोजन में श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएँ मिले और पूर्ण सनातन वैभव के साथ सिंहस्थ महापर्व-2028 का सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन सम्पन्न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारी के अंतर्गत एक करोड़ 20 लाख की लागत से निर्मित हेलीपैड विश्राम गृह के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस विश्राम गृह में ऑफिस कक्ष, आमजन से भेंट के लिए हॉल और पायलट के लिए भी कक्ष बनाए गए है। यह हेलीपैड उज्जैन सिंहस्थ 2028 में अतिथियों और जनप्रतिनिधियों के साथ आम जन और विशिष्ट अतिथियों के आगमन पर भेंट करने के लिए बनाया गया है। हेलीपेड एवं विश्राम गृह का निर्माण हो जाने से मुख्यमंत्री के उज्जैन आगमन पर अतिथि सत्कार के लिए आने वाले विशिष्ट अतिथियों को एक वातानुकूलित परिसर मय बैठक व्यवस्था उपलब्ध होगी।

सिंहस्थ 2028 का आयोजन ग्रीन एंड क्लिन की थीम पर होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान सिंहस्थ- 2028 महापर्व को हरित एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नगर निगम को 2.25 करोड़ रुपए की लागत की इलेक्ट्रिक व्हील लोडर मशीन की चाबी प्रदान की। सिंहस्थ के विशाल धार्मिक आयोजन में विशाल संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होगा। स्वच्छता एवं प्रदूषण नियंत्रण की चुनौती से निपटने के लिए आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाया जा रहा है।

इसी क्रम में एक निजी कम्पनी द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत उज्जैन नगर निगम को 2.25 करोड़ मूल्य की 820 टीई इलेक्ट्रिक व्हील लोडर मशीन (3 इकाइयाँ) स्वीपिंग अटैचमेंट सहित प्रदान की गई है। ये मशीनें पूरी तरह बैटरी संचालित हैं और शून्य उत्सर्जन के साथ कार्य करती हैं।

भगवान परशुराम की प्रतिमा पर किया पूजन-अर्चन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन सर्किट हाउस पर भगवान श्री परशुराम जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज के साथ भगवान श्री परशुराम की प्रतिमा का पूजन-अर्चन कर आरती की और प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों द्वारा भगवान श्री परशुराम का चित्र और फरसा भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैन संत जिनेन्द्र जी महाराज से लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान चिमनगंज कृषि उपज मंडी पहुंचकर जैन संत श्री जिनेन्द्र जी महाराज से भेंटकर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर जैन समाज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत-अभिननंदन किया। संत श्री जिनेन्द्र जी महाराज धर्मदास गण के वर्तमान प्रवर्तक है। डूंगर, मालवा, राजस्थान इनका विचरण क्षेत्र रहता है। स्थानकवासी परंपरा के संत हैं। वर्तमान में अक्षय तृतीया महोत्सव के उपलक्ष में श्री संत महाराज का प्रवास के दौरान कृषि उपज मंडी चिमनगंज में वर्षीतप पारणा महोत्सव पर आयोजित किया गया है।

गर्भवती महिलाएं हों या बीमार बच्चे, बड़वानी के इस गांव में कंधों पर तय होता है अस्पताल का सफर

बड़वानी (नप्र)। एमपी के बड़वानी जिले के पाटी ब्लॉक की ग्राम पंचायत पीपरकुंड के अंतर्गत आने वाले वन ग्राम के कुंडी फलिया में आज भी विकास की रोशनी पूरी तरह नहीं पहुंच पाई है। यहां सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव में ग्रामीणों को मरीजों को कपड़े की झोली में डालकर कई किलोमीटर तक कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। यह स्थिति न सिर्फ प्रशासनिक दावों की पोल खोलती है, बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी हकीकत भी बयां करती है।

झोली में ले जाते हैं अस्पताल

हाल ही में गुरुवार को एक 14 वर्षीय बालक की तबीयत अचानक बिगड़ गई। गांव के प्रदीप ने बताया कि बच्चे को कपड़े की झोली में डालकर ग्रामीणों ने किसी तरह मुख्य सड़क तक पहुंचाया, जहां से उसे पाटी अस्पताल भेजा गया। यह कोई पहला मामला नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार, गर्भवती महिलाओं को भी इसी तरह कंधों पर ढोकर अस्पताल ले जाया जाता है। कई बार रास्ते में ही प्रसव हो जाता है। कुछ मामलों में जान तक चली गई है।

अस्पताल जाना आज भी चुनौती

करीब 100 से अधिक परिवारों वाले इस फलिया तक पहुंचने के लिए 6 से 7 किलोमीटर लंबा कच्चा, उबड़-खाबड़ और दुर्गम रास्ता पार करना पड़ता है। इस मार्ग पर चार पहिया वाहन तो दूर, एंबुलेंस का पहुंचना भी संभव नहीं है। नतीजतन, किसी भी आपात स्थिति में ग्रामीणों के सामने मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाना बड़ी चुनौती बन जाता है।

राशन की भी होती है दिक्कत

सड़क न होने का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। सरकारी योजनाओं का लाभ भी यहां के लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाता। राशन की दुकानें 4 से 5 किलोमीटर दूर हैं, जिससे ग्रामीणों को या तो अतिरिक्त खर्च कर सामान लाना पड़ता है या सिर पर ढोकर लाना पड़ता है। शिक्षा, पोषण और रोजगार जैसी सुविधाएं भी इस दुर्गम स्थिति से प्रभावित हैं।

हम वर्षों से सड़क की मांग कर रहे हैं और कई बार जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

प्रशासन क्या कह रहा है?

इस संबंध में एसडीएम भूपेंद्र रावत ने बताया कि यह क्षेत्र वन ग्राम है और फलिया तक सड़क निर्माण के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के फेज तीन एवं मजरा-टोला योजना के तहत प्रस्ताव तैयार किया गया है। वन विभाग से एनओसी मिलने के ।बाद सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राम वन तक पिछले वर्ष सड़क मार्ग बना दिया गया था। फिलहाल, कुंडी फलिया के ग्रामीणों के लिए झोली ही एंबुलेंस है और यही उनके जीवन बचाने का एकमात्र सहारा है।

बीटेक छात्र ने जहर खाकर दी जान

आखिरी कॉल दोस्त को किया, कहा- जहर खा लिया है...आधे घंटे में घर पहुंच जाउंगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के टीटी नगर इलाके में रहने वाले बीटेक छात्र ने शनिवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों और दोस्तों ने उसे तलाश कर अस्पताल पहुंचाया, जहां रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार हिमांशु लोवंशी (22) ने जहर खाने के बाद अपने दोस्त को कॉल कर इसकी जानकारी दी। उसने बताया कि वह हबीबगंज इलाके में है और घर पहुंच जाएगा।

तलाश के बाद अस्पताल में कराया भर्ती

दोस्तों ने इसकी सूचना परिवार को दी। इसके बाद परिजन और दोस्त युवक की तलाश करते हुए उसे नर्मदा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज शुरू किया गया।

प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, 44 डिग्री तक उछला पारा

लू के बीच बारिश की भी संभावना

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में गर्मी उबाल पर है। रतलाम में एकदम से पारा उछलकर 44 डिग्री पर पहुंच गया। प्रदेश में 10 से अधिक शहरों में तापमान 42 डिग्री से अधिक बना है। भोपाल में गर्मी झुलसा रही थी। रतलाम सहित छिंदवाड़ा, मंडला में लू का असर रहा है। आईएमडी के अनुसार सोमवार को प्रदेश के 7 जिलों में मौसम में हल्का बदलाव होगा और बारिश या बौछारें पड़ सकती हैं।

देश के एक दर्जन राज्यों में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। मध्य प्रदेश में भी विदर्भ से आने वाली गर्म हवाएं सूबे को झुलसा रही हैं। रतलाम में दिन का तापमान बढ़कर 44 डिग्री पहुंच गया। 10 से अधिक शहरों में तापमान 42 डिग्री से अधिक बना है। उमरिया, मंडला, खजुराहो, निवाड़ी और पृथ्वीपुर में 43 डिग्री के आसपास उछल रहा है। सोमवार को कुछ इलाकों में बादलों की मौजूदगी के कारण कुछ राहत रह सकती है।

मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार प्रदेश में मौसमी सिस्टम के चलते सीमावर्ती बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में बारिश के आसार बन रहे हैं। कहीं कहीं गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, जिससे गर्मी हल्की राहत मिलने की उम्मीद है। बाकी प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा और सूरज तमतमाएगा।

इन इलाकों में लू का अलर्ट

आईएमडी ने सोमवार को प्रदेश के दर्जन भर शहरों में लू का यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, गुना, उमरिया, डिंडौरी, मंडला, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में लू का असर रहेगा। यहां लोगों को धूप और गर्म हवाओं से बचने की सलाह भी जारी की गई है।

भोपाल में भी उछला पारा, रात में भी बढ़ेगा तापमान

वैसे तो गर्मी का असर पूरे प्रदेश पर है। बात यही राजधानी भोपाल की करें तो यहां बीते एक हफ्ते से तेज गर्मी का असर है। सोमवार को यहां आसमान में हल्के बादल नजर आ सकते हैं, हालांकि गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। दिन का पारा 41 डिग्री के आसपास रह सकता है, वहीं रात का तापमान बढ़कर 25 डिग्री के आसपास दर्ज हो सकता है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

पांच सौ रुपए की साड़ी में खेल, महिला एवं बाल विकास विभाग सुर्ख़ियों में

छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के लिए साड़ी खरीदी को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग सुर्ख़ियों में है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रति नग 500 रुपए की दर से 1,94,590 साड़ियां छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से खरीदी। बताते हैं साड़ियों की सप्लाई सरगुजा संभाग के सप्लायरों ने की। साड़ियां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के हाथ लगते ही शिकायतों का अंबार लग गया। रंग छूटने से लेकर लंबाई भी कम बताई जाने लगी। बताते हैं पिछले साल की साड़ियों में शिकायत आने के बाद 2025-26 के लिए खरीदी गई साड़ियों का वितरण रोक दिया गया है। 2025-26 के लिए भी छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से साड़ियां खरीदी गई हैं। यह साड़ियां आईसीडीएस योजना के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को दिया जाता है। एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को दो साड़ी दी जाती है। इसके लिए 60 फीसदी राशि भारत सरकार देती है और 40 फीसदी राज्य को वहन करना होता है।इसी साड़ी को हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ न्यूनतम 718 रुपये से कम पर देने को तैयार नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड भी 588 रुपये न्यूनतम मूल्य रखा था, पर बजट का हवाला देकर महिला एवं बाल विकास विभाग ने 500 में ही साड़ी खरीदी। खरीदी के समय ही रंग छूटने की संभावना व्यक्त कर दी गई थी। आदेश में साफ़-साफ़ लिख दिया गया था, फिर भी खरीदी गई। चर्चा है कि 500 रुपए की साड़ी में भी कमीशन का बंदरबांट हुआ, जिसके चलते साड़ी की साइज भी छोटी हो गई। कहते हैं एक आईएएस और महिला एवं बाल विकास विभाग के एक अफसर की मिलीभगत से सारा खेल हो गया। शिकायत आने पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने भी जाँच करवाई और अब छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड भी जाँच करवा रहा है। खादी बोर्ड ने कुछ अफसरों की टीम बनाई है। वे शिकायत वाले जिलों में जाएंगे। अब जाँच में विभाग और बोर्ड पानी में लाठी पटक ले, जो किरकिरी होना था, वह तो हो गया। अब बड़ा सवाल है कि इस साल खरीदी गई 1,94,590 साड़ियों का क्या होगा और विभाग और बोर्ड प्रतिष्ठा कैसे बचाएंगे ?

उद्योग और श्रम मंत्री सवालों के घेरे में

छत्तीसगढ़ के सक्ती में वेदांता के पावर प्लांट में हुए गंभीर हादसे पर प्रबंधन सवालों के घेरे में है ही, राज्य के उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन पर भी उंगुलियां उठनी शुरू हो गई है। बताते हैं मंत्री जी हादसे के दिन अपने विधानसभा कोरबा में थे और कार्यक्रमों में मशगूल थे। कोरबा से सक्ती कोई ज्यादा दूर नहीं है, मंत्री जी चाहते, तो कोरबा से रायपुर आते घायलों से मुलाक़ात कर उनके आंसू पोछ सकते थे। मंत्री जी हादसे के दो दिन बाद घायलों से मिले और घटना स्थल पर पहुंचे। मंत्री जी से पहले तो कांग्रेस का दल अस्पताल और घटनास्थल पर पहुँच गया। मंत्री जी का 12 अप्रैल को जन्मदिन था। खबर है कि मंत्री जी ने अपना जन्मदिन अपने विधानसभा क्षेत्र में ही मनाया। लोग कह रहे हैं शायद जन्मदिन की खुमारी उतरी नहीं थी, इस कारण मंत्री हादसे की तहकीकात करने के बजाय कैबिनेट की बैठक के लिए रायपुर आ गए। इस हादसे में अब तक 22 श्रमिक मारे जा चुके हैं। घटना पवार प्लांट में हुआ और श्रमिक हताहत हुए। इस कारण हादसा तो उद्योग और श्रम विभाग से ताल्लुक रखता है। गंभीर हादसे में मंत्री जी का रुख चर्चा में है।

दिल्ली के भाजपा नेता का सरकार में दखल

कहते हैं दिल्ली के एक भाजपा नेता का सरकार में दखल आजकल चर्चा का विषय है। सुनते हैं कि नेताजी मंत्रियों और अफसरों को सीधे निर्देश देने से भी परहेज नहीं करते। बताते हैं कि नेताजी अफसरों की पोस्टिंग में भी दिलचस्पी दिखाते हैं। किसी समय छत्तीसगढ़ से उनका नाता रहा है,उसका फायदा अब उठाने लगे हैं। नेताजी की दिल्ली में कोई ख़ास पूछपरख नहीं है, ऐसे में छत्तीसगढ़ उनके लिए टारगेट हो गया है। नेताजी के फरमान से मंत्री-अफसर कुलबुलाने तो लगे हैं, पर मजबूरी में ही सही कुछ निर्देश का पालन तो करना ही पड़ रहा है। अब देखते हैं नेताजी की नजर छत्तीसगढ़ पर कब तक रहती है।

क्या बिजली बोर्ड का निजीकरण होगा ?

बताते हैं आजकल छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल की सेहत अच्छी नहीं है। कहते हैं बोर्ड की तीनों कंपनियां मुनाफे में नहीं चल रही है। इस कारण इन दिनों छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल के निजीकरण की हवा उड़ी हुई है। अब आने वाले दिनों में ही सच्चाई सामने आएगी। अभी बोर्ड को आईएएस सुबोध सिंह और रोहित यादव चला रहे हैं। बोर्ड की दो कंपनियों जेनरेशन और ट्रांसमिशन में संविदा वाले प्रबंध संचालक हैं। एक प्रबंध संचालक को तीसरी-चौथी बार एक्शटेंशन मिल चुका है। कहते हैं कि बिजली बोर्ड की कंपनियों की आर्थिक दशा को लेकर केंद्र सरकार भी सख्त है, तो उधर पर्यावरण मंडल और जिला प्रशासन की भी टेढ़ी नजर बताई जाती है। पिछले दिनों बिजली बोर्ड के पावर प्लांट कोरबा वेस्ट को 32 करोड़ के जुर्माने का नोटिस मिल गया। राखड़ बांध फटने के कारण हसदेव का पानी गंदा होने और पर्यावरण को नुकसान होने के कारण जिला प्रशासन सख्त हुआ है।

महिला आईएएस के तेवर

कहते हैं कि एक महिला आईएएस अफसर मंत्री का फोन भी बमुश्किल उठातीं हैं। फाइल भी रोक देती हैं और मर्जी होता है तो दस्तखत करती हैं। अब मंत्री बेबस हैं। साय सरकार में कई मंत्री नए हैं। पहली बार मंत्री बनने के साथ-साथ पहली बार विधायक बने हैं। चर्चा है कि महिला अफसर फाइलों पर दस्तखत से पहले अपने कुछ खास लोगों से मशविरा करती हैं। चर्चा है कि मंत्री को अपने विभागीय अफसर से काम लेने में नानी याद आ रही है। विभाग में काम न होने और अच्छा न होने पर मंत्री को खरी-खोटी भी सुनना पड़ रहा है, सो अलग।

अनिल अग्रवाल पर एफआईआर के मायने क्या ?

सक्ती में वेदांता के पवार प्लांट में हादसे के बाद पुलिस ने वेदांता के कर्मचारियों के साथ उसके मालिक अनिल अग्रवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। अब चर्चा चल पड़ी है कि यह एफआईआर दिखावा है या उसके आधार पर कोई कार्रवाई होगी। अनिल अग्रवाल के ही प्लांट बालको में कुछ साल पहले चिमनी गिरी थी और कई जानें चली गई थीं। कहते हैं घटना के एक दिन पहले वेदांता के टॉप मैनेजमेंट के लोग कोरबा आए थे, वे सक्ती भी आने वाले थे। पर हादसा होने के कारण नहीं आए। कांग्रेस आरोप लगा रही है कि सक्ती प्लांट में चीनी उपकरणों का इस्तेमाल हुआ। चिमनी हादसे में भी यही आरोप लगे थे।